प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

दैनिक यूनिक समय
मथुरा से प्रकाशित
RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-2 | अंक-602 | मथुरा, सोमवार, 21 अक्टूबर 2024 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

यमुना एक्सप्रेस वे पर सुबह भीषण हादसा

हादसे में कार में सवार तीन लोगों की दर्दनाक मौत

संवाददाता

यूनिक समय, राया (मथुरा)। आज सुबह करीब साढ़े चार बजे यमुना एक्सप्रेस वे माइन स्टोन 110 के करीब भीषण हादसा हो गया। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। उसकी भी हालत चिंताजनक है।

जानकारी के अनुसार आगरा से दिल्ली जा रही बेंगनार कार अनियंत्रित होकर सड़क पर खड़े अज्ञात वाहन में घुस गई। जहां से गाड़ी नेम प्लेट टूटी मिली है। कार में पांच लोग सवार थे। इस हादसे में तीन लोगों ने मौके पर दम तोड़ दिया। दो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। इनकी हालात भी चिंताजनक बनी हुयी है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार, इंस्पेक्टर क्राइम दिनेश कुमार तथा पुलिस चौकी हाईवे प्रभारी केके सिंह घटनास्थल पर पहंच गए। घायलों को बड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी से निकालकर जिला अस्पताल भिजवाया। थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कार सवार सभी लोग बनारस से दिल्ली जा रहे थे। इसमें पंकज वर्मा पुत्र देशराज निवासी स्वरूप नगर जनपद दिल्ली, भवेश पुत्र बलराम यादव निवासी अरइला जनपद दरभंगा बिहार, रोहित पुत्र राजकुमार निवासी चन्चोरा बाजार रसूलपुर जनपद छपरा सारन विहार की मौत हो गयी। निर्मल कुमार पुत्र बिजेंद्र प्रसाद निवासी मुकुंदपुर थाना भलसवा दिल्ली और अंकित पुत्र शिवप्रसाद निवासी द्वारिका मोड़ दिल्ली बुरी तरह घायल हो गए। पुलिस ने मृतकों के शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हुई टक्कर के बाद दुर्घटनाग्रस्त कार।

अस्पताल में दो लोगों की हालत चिंताजनक

सीएम योगी कल देंगे ब्रज को सौगात

करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की करेंगे घोषणा

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की सातवीं बोर्ड बैठक को करेंगे संबोधित

बैठक के बाद आरएसएस प्रमुख से करेंगे मुलाकात

परखम, फरह में चल रहे आरएसएस के कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में लेंगे भाग

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल मथुरा के दौरे पर आ सकते हैं। हालांकि समाचार लिखे जाने तक उनका अधिकारिक प्रोग्राम नहीं आया है। वे यहां उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बोर्ड बैठक में ब्रजवासियों के लिए करोड़ों रुपये की योजनाओं के शुभारंभ की स्वीकृति देंगे साथ ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के परखम (फरह) में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। सिविल लाइन में परिषद कार्यालय में बोर्ड बैठक के बाद परखम में संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात करेंगे। उनके आगमन की संभावना को देखते हुए सोमवार को पूरे दिन जिले के अधिकारी तैयारियों में जुटे रहे।

मंगलवार को परिषद की सातवीं बोर्ड बैठक होने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अध्यक्ष हैं। बैठक की तैयारियां सोमवार को सिविल लाइन स्थित उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद कार्यालय में नजर आईं। संबंधित अधिकारी बोर्ड बैठक को लेकर की व्यवस्थाओं को लेकर जुटे रहे। जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ एसवी सिंह, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने भी मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर वेटरनेरी विवि हेलीपैड और परिषद कार्यालय की व्यवस्थाओं को देखा।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बोर्ड बैठक शाम 4 बजे शुरू होगी। परिषद की बैठक में एक दर्जन से अधिक विभागों के प्रमुख सचिव परिषद बोर्ड के सदस्य होने के नाते बैठक में प्रतिभाग करेंगे। इस बार उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के बोर्ड में डेढ़ दर्जन से अधिक प्रस्ताव रखे जाएंगे। करीब 123 करोड़ रुपए के इन प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मुहर लगाई जाएगी।

मुख्यमंत्री का आगमन उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय वेटरनरी यूनिवर्सिटी कैंपस स्थित हेलीपैड पर होगा। बोर्ड बैठक के बाद मुख्यमंत्री शाम छह बजे के पश्चात परखम के लिए रवाना हो जाएंगे। शाम सात बजे परखम में मुख्यमंत्री की संघ प्रमुख से मुलाकात होनी है।

डेंगू व चिकनगुनियां के दो मरीज मिले

वरिष्ठ संवाददाता

मच्छर जनित बीमारियां जिले में बढ़ने लगी

अब तक 33 डेंगू, 18 चिकनगुनियां और 8 मरीज मलेरिया के मिल चुके हैं

यूनिक समय, मथुरा। महानगर में मच्छरों के प्रकोप ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। मच्छरों से होने वाली बीमारियों से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। आज एक केस चिकनगुनियां का मिला। अब तक 33 डेंगू, 18 चिकनगुनियां और आठ मलेरिया के मरीज सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे शुरू कर दिया है। जहां मरीजों के आसपास रहने वालों के ब्लड जांच को नमूने, बुखार के पीड़ितों का परीक्षण करके दवाए दे रहीं हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग को मिली ब्लड जांच रिपोर्ट में आज द्वारकेश कॉलोनी, मंडी चौराहा में चार वर्षीय बच्चे को डेंगू एवं दाऊजी रोड गोपालपुर लक्ष्मीनगर में किशोर को चिकनगुनियां पॉजिटिव रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट मिलने के बाद श्रीसिंह ने मरीजों का हाल जानने एवं दवा छिड़काव के लिए टीमों को भेज दिया। सीनियर मलेरिया निरीक्षक संतोष तिवारी एवं मलेरिया निरीक्षक नितिन रस्तोगी ने टीम के साथ प्रभावित क्षेत्रों में टीम के सदस्यों ने मरीजों का सर्वे शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि मथुरा में डेंगू के 33 एवं चिकनगुनियां के 18 और मलेरिया के 8 मरीज मिल चुके हैं।

सीएमओ डॉ. एके वर्मा ने बताया कि उन्होंने जनपद के सभी सरकारी अस्पतालों के प्रभारियों को अलर्ट कर दिया है। उनके क्षेत्र में मरीज मिलें तो तुरंत मरीजों को दवाईयां उपलब्ध कराई जाएं और प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग कराई जाए। उन्होंने लोगों को अपने आसपास पानी एकत्रित नहीं होने देने और पानी को रोजाना बदल देने की अपील की।

वहीं जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने सभी ग्राम प्रधानों, नगर पंचायत अध्यक्ष व ईओ, नगर पालिकाध्यक्ष व ईओ कोसीकलां, नगर निगम मथुरा वृंदावन के नगर आयुक्त को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में फॉगिंग कराएं। ताकि डेंगू, चिकनगुनियां व मलेरिया के मच्छरों को समाप्त किया जाए।

मंथन — नगर आयुक्त को सदर बाजार क्षेत्र में मिली खामियां

शशांक चौधरी ने अधिकारियों को दी चेतावनी

प्रमुख संवाददाता

अलग-अलग जोन क्षेत्र में भ्रमण करने का अभियान प्रारंभ

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा वृंदावन नगर निगम क्षेत्र में व्याप्त जन समस्याओं के निवारण को लेकर नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने अलग-अलग जोन क्षेत्र में भ्रमण करने का अभियान सोमवार से प्रारंभ किया है। उन्होंने औरंगाबाद जोन के सभी 15 पार्षदों की बैठक की। उसके बाद सदर बाजार क्षेत्र में स्थलीय निरीक्षण किया। निगम कार्यालय में उन्होंने पार्षदों से बिंदुवार उनकी समस्याएं जानी। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों पर उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी है।

नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने वार्ड 63 सदर स्थित सीवर पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद संजय अग्रवाल ने बताया कि जल निगम के कर्मचारियों द्वारा एक ओर से नाले के पानी को पंपिंग स्टेशन में आने से रोक दिया गया है। इस पर नगर आयुक्त ने मौके पर मौजूद प्रबंधक जल को निर्देशित किया कि जल निगम से वार्ताकर रोके गए नाले के पानी को तत्काल शुरू कराए। साथ ही सदर क्षेत्र में सीवर व पेयजल आपूर्ति को डाले जा रहे पाइप लाइन के कार्य दिवाली से पूर्व पूर्ण करने के आदेश दिए। इसके साथ साथ उन्होंने वार्ड की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक स्थान पर बने डलाबघर को तत्काल हटाए जाने के निर्देश दिए।

औरंगाबाद जोन में पार्षदों के साथ बैठक करते नगर आयुक्त शशांक चौधरी।

बैठक में पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड में लाइट, नाली, सड़क आदि कार्य हेतु समस्याएं बताई। जिस पर नगर आयुक्त ने महाप्रबन्धक (जल)/प्रभारी प्रकाश, प्रभारी मुख्य अभियन्ता (सिविल) को निर्देश दिए कि आप स्वयं प्रत्येक वार्ड का निरीक्षण कर तीन दिन में रिपोर्ट उपलब्ध करायें। कार्य की प्रगति को देखने के लिये एक सप्ताह बाद नगर आयुक्त द्वारा स्वयं निरीक्षण किया जायेगा। कार्यवाही न होने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। बैठक में पार्षद सुरेश निषाद वार्ड नंबर 38, हेमलता धनगर वार्ड नंबर 32, किरण देवी वार्ड नंबर 1, श्रीमती देवी वार्ड नंबर 6,डॉली पौनिया वार्ड नंबर 41, पुष्पा देवी वार्ड नंबर 59, जितेन्द्र सिंह वार्ड नंबर 15, शशि राम राजावत वार्ड नं 11 तथा अनवर ख्वाजा महाप्रबन्धक (जल)/प्रभारी प्रकाश अमरेन्द्र गौतम प्रभारी मुख्य अभियन्ता (सिविल) आदि अधिकारी उपस्थित थे।

त्योहारों पर नहीं होगी अवैध शराब की बिक्री

डीएम ने सात टीमों का किया गठन

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने जनपद में दीपावली सहित अन्य त्योहारों को देखते हुए मादक पदार्थों की अवैध बिक्री रोकने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान पांच नवम्बर तक चलाने के निर्देश सबंधित अधिकारियों को दिए हैं। इसके जिला एक-एक मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में सात टीमों का गठन कर दिया गया है। उन्होंने जनपद में अवैध शराब का कारोबार प्रतिबंधित कर दिया है।

जिलाधिकारी ने कहा है कि इन त्योहारों पर मदिरा की मांग बढ़ जाती है, जिससे अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त शराब माफिया/तस्कर सक्रिय हो जाते हैं। इसी को दृष्टिगत अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी तथा अवैध अल्कोहल/शीरा के परिवहन पर अंकुश लगाये जाने के दृष्टिगत आबकारी विभाग द्वारा 20 अक्टूबर से 5 नवम्बर तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलायेगा।

उन्होंने बताया कि अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी तथा अवैध अल्कोहल/शीरा के परिवहन पर अंकुश लगाये जाने हेतु आबकारी, पुलिस एवं राजस्व प्रशासन की सात संयुक्त टीमों का गठन किया गया है। टीम प्रथम में

सिटी मजिस्ट्रेट व सीओ नगर क्षेत्र के संयुक्त नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक प्रथम, टीम द्वितीय में अपर नगर मजिस्ट्रेट वृंदावन, सीओ सदर, आबकारी निरीक्षक प्रथम, टीम तीन में एसडीएम सदर, सीओ रिफाइनरी, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 1, टीम चतुर्थ में एसडीएम छाता, सीओ छाता, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 2, टीम पंचम में एसडीएम मांट, सीओ मांट, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 3, टीम छह में एसडीएम महावन, सीओ महावन, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 4, टीम सप्तम में एसडीएम गोवर्धन, सीओ गोवर्धन व आबकारी अधिकारी क्षेत्र 5 को नामित किया है।

डीएम ने वर्तमान अभियान के लिये आबकारी, पुलिस एवं राजस्व प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा प्रवर्तन कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने को कहा है। साथ

अधिक मांग बढ़ने पर सक्रिय हो जाते हैं शराब माफिया

पांच नवम्बर तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाएं

ही जीएसटी, परिवहन विभाग, जी.आर.पी./ आर.पी.एफ. का भी यथा आवश्यक सहयोग लिया जाए। अवैध मदिरा के कार्य में संलिप्त माफियाओं/ तस्करों की उपलब्ध सूची में चिन्हित व्यक्तियों के विरूद्ध स्थानीय पुलिस के सहयोग से गैंगस्टर/गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाये एवं उन पर सतत निगरानी रखी जाए।

उन्होंने कहा कि इस दौरान संदिग्ध वाहनों की सघनता एवं सूक्ष्मता से चेकिंग कराई जाए। जनपद के भीतर राष्ट्रीय/राज्य राजमार्गों पर स्थित ढाबों, जहाँ अल्कोहल के टैंकर प्रायः रुकते हैं, की भी सघन एवं आकस्मिक जांच करायी जाए। उन्होंने आबकारी दुकानों एवं थोक अनुज्ञापनों का निरीक्षण चेक लिस्ट के अनुसार किया तथा दुकान पर स्थित स्टॉक के बार कोड व क्यूआरकोड की सूक्ष्मता एवं सतर्कतापूर्वक जांच की जाये। इसके साथ जनपद में ऐसी दुकानें जो क्षेत्र में सबसे दूरस्थ, जंगल क्षेत्र अथवा निर्जन स्थान पर स्थापित की गयी हों, उन दुकानों पर अवैध/मिलावटी शराब बिकने की सम्भावना अधिक होती है। इसकी रोकथाम के लिए ऐसी दुकानों पर सतर्क दृष्टि एवं निगरानी रखा जाना सुनिश्चित किया जाये तथा रैण्डम आधार पर दुकानों की चेकिंग करते हुए मदिरा का नमूना लेकर क्षेत्रीय /केन्द्रीय प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजा जाये।

दुकानों के खुलने के नियत समय से पूर्व एवं पश्चात् दुकानों के अनुज्ञापियों/विक्रेताओं द्वारा मदिरा, संलग्न कैन्टीनों से ओवर रेट पर स्वयं बेचे जाने अथवा कैन्टीन संचालकों से विक्रय कराये जाने की शिकायतें भी प्राप्त होती हैं। नियम विरूद्ध ढंग से मदिरा की इस प्रकार की बिक्री में कैन्टीन संचालकों अथवा विक्रेताओं द्वारा अवैध/मिलावटी मदिरा की बिक्री किये जाने की सम्भावना अधिक होती है। ऐसी स्थिति में निर्देशित किया जाता है कि समय से पूर्व एवं समय के पश्चात् कैन्टीन से वैध अथवा अवैध किसी प्रकार की मदिरा की बिक्री कदापि न हो पाये।

करवा चौथ पर मेंहदी व कढ़ाई का शिविर लगाया

मेंहदी व कढ़ाई के शिविर में न्यायिक सदस्य डॉ. प्रतिभा शर्मा के साथ पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। निर्मल इनिशिएटिव ने जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय के सहयोग से करवा चौथ पर नगर की महिलाओं के लिए निःशुल्क मेंहदी कढ़ाई शिविर का आयोजन किया। सेंटर मैनेजर एडवोकेट वैशाली सोनी ने महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर एवं सरकार की अन्य योजनाओं पर प्रकाश डाला। निर्मल इनिशिएटिव संस्था की निदेशिका डॉ श्वेता गोस्वामी ने बताया कि संस्था ने वाल्मीकि एवं नट समुदाय की किशोरियों के कौशल विकास के लिए मेंहदी प्रशिक्षण प्रदान कराया। मुख्य अतिथि स्थायी लोक अदालत की न्यायिक सदस्य डॉ. प्रतिभा शर्मा थी। इस अवसर पर चाँदनी, बलराम और कुशाग्र उपस्थित थे।

यूजर चार्ज रोकने के लिए दिया ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। व्यापारियों ने आज नगर निगम के कार्यालय पर कूड़ा कलेक्शन के नाम पर यूजर चार्ज वसूल करने के विरोध में प्रदर्शन किया। उसके बाद नगर आयुक्त को ज्ञापन दिया। उनका कहना है कि पूर्व में तत्कालीन नगरायुक्त अनुयय झा एवं व्यापार मण्डल पदाधिकारियों के बीच हुई विस्तृत बातचीत के बाद समस्त प्रकार के व्यवसायियों में यूजर चार्ज के रूप में 100/- रूपया प्रतिमाह देना तय हुआ था, जिसका कि भुगतान व्यापारियों द्वारा किया भी जा रहा है किन्तु विगत लगभग एक-दो माह से विभिन्न क्षेत्रों से लगातार शिकायतें आ रही है कि क्षेत्रीय सफाई नायकों द्वारा यूजर चार्ज की राशि 100/- रूपये से बढ़ाकर 300 रूपये तथा कहीं-कहीं इससे भी अधिक की मांग की जा रही है। जो कि पूर्णत अनुचित है। व्यापारियों ने कहा कि नगर निगम द्वारा व्यापारिक क्षेत्र में कूड़ा कलेक्शन के नाम पर यूजर चार्ज वसूल किया जा रहा है जबकि नगम द्वारा हाउस टैक्स/वॉटर टैक्स/सीवर टैक्स जब मकान व संस्थान स्वामियों से वसूला जा रहा है तो यूजर चार्ज की वसूली क्यों की जा रही है। इस पर तत्काल रोक लगाया जाई।

सरस्वती कुंड में कैटर्स के गोदाम में लगी आग

लाखों रुपये का सामान आग की भेंट चढ़ा, मची अफरा–तफरी

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सरस्वती कुंड इलाके में नेशनल चैम्बर भवन के सामने स्थित मित्तल फूड एंड कैटर्स के गोदाम में बीती रात लगी आग से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। आग को आधा दर्जन दमकलों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत से काबू किया। गोदाम में लगी आग से गोदाम के निकट सीए के कार्यालय को भी क्षति पहुंची। गोदाम मालिक ने व्यापारिक प्रतिद्वंदता के चलते अज्ञात लोगों द्वारा आग लगाए जाने की पुलिस को तहरीर दी है।

सरस्वती कुंड में कैटर्स के गोदाम में लगी आग के बाद का नजारा।

मित्तल फूड एंड कैटर्स का नेशनल चेंबर भवन के सामने गोदाम है। बीती रात गोदाम में करीब 12 बजे अचानक आग की तेज लपटें उठने लगी। वहीं नजदीक चंद्रेश अनुराग एंड कंपनी के चौकीदार ने जब गोदाम में लगी आग को देखा तो उन्होंने सीए अनुराग खंडेलवाल को सूचना दी। आग लगने की खबर लगते ही सीए घटनास्थल पर पहुंच गए। गोदाम से उठती आग की तेज लपटों को देख कर इलाके में हड़कंप मच गया। आस–पास रहने वाले लोग भी अपने घरों से निकल आए। फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकल ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग कंट्रोल में नहीं आ रही थी। इसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की आधा दर्जन दमकलों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया। आग लगने की सूचना पर पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। बताया गया कि आग से सीए कार्यालय को भी नुकसान हुआ और वहां रखी फाइलें एवं अन्य जरूरी सामान भी जल गया। रात्रि में कैटर्स के संचालक राहुल मित्तल एवं अन्य लोग पहुंच गए। इस बारे में कृष्ण मुरारी ने बताया कि उन्होंने सहालग शुरू होने को देखते हुए कैटरिंग का नया सामान गोदाम में भरवाया था। पुराना सामान भी गोदाम में मौजूद था। उनके गोदाम में किसी ने व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के चलते आग लगवाई अथवा लगाई है। वह आग की घटना से पूरी तरह से बर्बाद हो गए। उनका कहना है कि गोदाम में लगी आग से हुए नुकसान के बारे में अभी अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है। औरंगाबाद स्थित शाहरुख के मुर्गा मछली के गोदाम की ऊपरी मंजिल में सोमवार की दोपहर अचानक आग लग गई। आग लगने से बाजार में हड़कंप मच गया। स्थानीय दुकानदारों और लोगों ने आग को बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकल ने आग पर काबू किया। आग लगने के कारणों का पता नहीं लग सका है।

कलेजे का टुकड़ा पाने को पुलिस से लगाई गुहार

यूनिक समय, कोसीकलां। एक महिला से ससुरालीजनों ने मारपीट कर कलेजे का टुकड़ा दूर कर दिया। अब पीड़ित बेटे को वापस दिलाने के लिए थाने में पुलिस से गुहार लगा रही है। पीड़िता की ओर से दी गई तहरीर के बाद पुलिस केवल आश्वासन दे रही है। जबकि पीड़िता का रो–रोकर बुरा हाल है।

घंटाघर नीम वाली गली निवासी समां ने थाने में दी शिकायत में बताया कि करीब एक माह पहले उसके पति राजू, ससुर बिल्लड ने उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। इतना ही नहीं साढ़े तीन साल के मासूम बच्चे को भी उससे छीन लिया। पीड़िता कई बार बच्चे को लेने के लिए घर गई तो दोनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और बेटे को देने से साफ इंकार कर दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी है। पीड़िता से पुलिस ने गुहार लगाई है कि उसे उसके कलेजे का टुकड़ा वापस दिलाया जाए, वह बच्चे के बिना नहीं रह सकती। बच्चा भी उसके बिना नहीं रह सकता। पीड़िता ने बताया कि वह थाने के कई चक्कर काट चुकी हैं लेकिन पुलिस केवल उसे आश्वासन दे रही है।

"बोलती तस्वीर"

आई दिवाली आओ बनाएं मिट्टी के दीपक

दिवाली के लिए मिट्टी के दीपक बनाने के लिए चाक चलाते हुए कुम्हार करनलाल (70)। इनके बाबा और दादा भी यही काम करते थे। छाया—प्रदीप कांत मिश्रा।

बदायूं से लापता हुआ किशोर सुरीर में मिला

बच्चे को पिता के सुपुर्द करती सुरीर पुलिस।

पुलिस ने बच्चे से जानकारी कर पिता को सूचना दी

बच्चे को सकुशल देख पिता ने की पुलिस की प्रशंसा

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ऑपरेशन मुस्कान के तहत सुरीर पुलिस ने घर से निकल आए एक नाबालिग किशोर को बरामद कर उसके परिवार को सौंप दिया। नाबालिग के पिता ने पुलिस की प्रशंसा की है।

बताया गया कि सुरीर इलाके में एक नाबालिग बच्चे को परेशान हालत में घूमते देख कुछ लोगों ने पुलिस को बताया। पुलिस ने नाबालिग से पूछताछ की तो पता लगा कि वह घर से बगैर बताए चला आया है। इस पर कोतवाली प्रभारी संजीवकांत मिश्रा ने बताया कि उसके पिता का नाम ऐकाराम निवासी ग्राम कोली थाना दाता गंज जिला बदायूं है। इस जानकारी पर पुलिस ने उसके पिता ऐकाराम से संपर्क कर किशोर का फोटो भेजा गया। ऐकाराम ने बताया कि वह उसका बेटा है। 15 अक्टूबर को घर से अचानक लापता हो गया था। पुलिस से मिली बच्चे की सूचना पर पिता ने सुरीर कोतवाली पहुंचकर बच्चे को सकुशल देखा तो उसकी आंख से खुशी के आंसू निकल आए। पुलिस ने किशोर को उसके पिता के सुपुर्द कर दिया।

चार दिन बाद हुई दुर्घटना में मरे टेंपो चालक की शिनाख्त

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत के गोपालगढ़ समीप टेंपो के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण चार दिन पूर्व हुई टेंपो चालक की मौत के मामले में चालक के परिवार ने आज मोरचरी पर पहुंचकर उसकी शिनाख्त की है।

गौरतलब है कि शुक्रवार के दिन गोपालगढ़ के समीप टेंपो को किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी। टेंपो में चालक और उसके दो दोस्त थे। दुर्घटना में मौके पर ही दो लोगों की मौत हुई थी। एक की शिनाख्त होने के बाद उसके शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया था। दूसरे मरने वाले की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। उसकी शिनाख्त के लिए पुलिस ने शव को मोरचरी में रखा हुआ था। बताया गया कि थाना हाईवे के गांव देवीपुरा निवासी रमेश का बेटा निरंजन भी टेंपो चलाता था। वह काफी दिन तक घर नहीं आता था। रमेश को किसी ने बताया कि शुक्रवार को जो एक्सीडेंट हुआ था। उसमें तुम्हारे बेटे निरंजन(20) की मौत हो गई है। इस जानकारी पर रमेश, उसकी पत्नी और कुछ अन्य लोगों ने मोरचरी पहुंचकर वहां रखे शव की शिनाख्त की। इस तरह चार दिन बाद अज्ञात युवक की शिनाख्त के बाद पुलिस ने शव को अंतिम संस्कार के लिए परिवारीजनों को सौंप दिया।

फुटकर दुकानदार कर रहे आतिशबाजी का भंडारण

यूनिक समय, कोसीकलां। शहर से लेकर गांव तक फुटकर दुकानदार आतिशबाजी खरीदकर घरों में भंडारण कर रहे हैं। ऐसे में हादसा होने का खतरा मंडरा रहा है। कार्यवाही के नाम पर पुलिस मूक दर्शक बनी हुई हैं। दीपावली का त्योहार आते ही फुटकर दुकानदार आतिशबाजी बेचकर लाखों के वारे न्यारे करने की तैयारी में लग गए हैं। इसके लिए वे अपने व परिवार के लोगों की जान जोखिम में डालने से नहीं चूक रहे हैं। फुटकर दुकानदार अभी से आतिशबाजी खरीदकर घरों में भंडारित करने लगे हैं। दुकानदार आतिशबाजी का भंडारण कर दुर्घटना को दावत दे रहे हैं।

रामहि देखि बारात जुड़ानी, प्रीति की रीति न जाति बखानी

बारात में श्री राम सहित चारों भाई घोड़े पर सवार होकर निकले

श्री बाल रामलीला कमेटी के तत्वावधान में मंच पर विराजमान राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के स्वरूप। राम बारात में सजी झांकियां।

वरिष्ठ संवाददाता

पग-पग पर हुआ बारात का पुष्प वर्षा व आरती उतार कर स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। श्री बाल रामलीला कमेटी के तत्वावधान सोमवार की देर सायं श्रीकृष्ण की जन्मस्थली में श्री राम बारात की शोभायात्रा विभिन्न झांकियों व बैंडबाजों के साथ निकाली गई। बारात का नगर में पुष्प वर्षा व आरती उतारकर भक्तों ने किया।

श्री राम बारात का प्रारंभ श्री महाराजा अग्रसेन चौक से श्री गणेश जी की झांकी के साथ ढोल ताशों के साथ हुआ। श्री राम बारात में राम दरबार, नृत्य करते हुए राधा कृष्ण, खाटू श्याम, शिव दरबार, पूतना वध, नरसिंह जी, महर्षि वाल्मीकि, पंचमुखी हनुमान, सेवाकुंज में श्री कृष्ण राधा जी के चरण दबाते हुए झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इनके अलावा द्वारकाधीश की झांकी, गर्भ गृह में रामलाला, जगन्नाथ जी, कार्तिकेय जी, चंद्रलोक, कैला देवी, बिहारी जी, की झांकियों ने सबका मन मोह लिया। नगर का पूरा बाजार रामचंद्र के जयकारों से गूंज उठा। श्री राम बारात में अखाड़े के साथ महाकाली के स्वरूप का अदभुत नजारा दिखाई दिया। कुल 94 झांकियां बारात मे चल रहीं थी। सबसे पीछे श्री राम सहित चारों भाई घोड़े पर सवार होकर चल रहे थे। उनके पीछे रथ पर महर्षि विश्वामित्र गुरु विशिष्ठ राजा दशरथ के साथ चल रहे थे। शोभायात्रा आरम्भ स्थल श्री अग्रसेन चौक पर अवधपुरी में अवधपुरी संयोजक रामबाबू मुकुट वाला परिवार ने आरती कर स्वागत किया। उसके बाद हालनगंज व्यवसाई समिति, लाल दरवाजा व्यवसाई समिति ने स्वागत किया। नीम के नीचे राम भरोसे चीते गुरु मार्ग पर सभी स्वरूपों की आरती स्वागत व बारातियों को बैठा कर स्वागत एवं आरती की गई। राजाधिराज बाजार, बिरजानंद बाजार व्यवसाई समिति, छत्ता बाजार समिति ने एवं होली गेट पर तिलक द्वार अग्रवाल धर्मशाला समिति ने जनक पुरी बनाई, जहां श्री राम का विवाह संपन्न हुआ।

बारात में सभापति विशन दयाल सर्राफ, प्रधानमंत्री योगेंद चतुर्वेदी एडवोकेट (योगी), उपसभापति सुरेन्द्र चौधरी गिलट वाले, पंकज शर्मा, उप प्रधानमंत्री विकास वार्ष्णेय, योगेंद्र गोयल, कोषाध्यक्ष संजय चौधरी, निरीक्षक गुड्डू अग्रवाल, योगेश आवा, रामबारात संयोजक शोभाराम शर्मा, भाजपा महानगर घनश्याम लोधी, चेतनस्वरूप पाराशर, जयंती प्रसाद अग्रवाल, मूलचन्द गर्ग, प्रमोद कसेरे, श्रीभगवान चतुर्वेदी, हरी बाबू बेबी वाले, सौरभ खंडेवाल, संजय शोरा, सुमित सर्राफ, राजू वृन्दावन, संजीव पाठक राजू चतुर्वेदी, कन्हैयालाल, राजीव मित्तल सोनू, संजय नदवई एवं कृष्ण मुरारी रंग वाले आदि मौजूद थे।

मध्यान्ह भोजन में कीड़े मिलने पर बीएसए गंभीर

वरिष्ठ संवाददाता

बीईओ मांट, राया व बल्देव की तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया

तीन दिन में स्कूलों का स्थलीय निरीक्षण कर मांगी रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। विकास खंड नौहझील व विकास खंड मांट के कई स्कूलों में अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा मध्याह्न भोजन में भेजे जाने वाले खाने में गत शनिवार को कीड़े निकलने का समाचार प्रमुखता से यूनिक समय में प्रकाशित हुआ था। इसको गंभीरता से लेते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने खंड शिक्षा अधिकारी मांट, राया व बलदेव की तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन कर स्कूलों का स्थलीय निरीक्षण कर तीन दिन में साक्ष्य सहित जांच आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

जांच कमेटी में खंड शिक्षा अधिकारी मांट, खंड शिक्षा अधिकारी राया व खंड शिक्षा अधिकारी बलदेव को रखा गया है।

साथ ही बीएसए ने प्रबंधक अक्षय पत्र फाउंडेशन वृंदावन व मांट को भी नोटिस जारी करते हुए तीन कार्य दिवस के अंदर अपना पक्ष साक्ष्य सहित रखने को कहा है।

वृंदावन में गोचारण भूमि की मांग

यूनिक समय, वृंदावन। अखिल भारतीय श्री गौवंश संरक्षण समिति की बैठक में संरक्षक कृष्ण कुमार लड्डू एवं कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश नीलम ने गायों की दुर्दशा को देखते हुए मथुरा-वृंदावन महानगर में गोचारण के लिए भूमि निर्धारित कराने और पूर्व उपलब्ध गोचारण भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की। बैठक में महामंत्री देवेंद्र नाथ गोस्वामी, उपाध्यक्ष श्याम कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष ललित किशोर शर्मा आदि ने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष कालीचरण सिंह ने की।

दो इंच जमीन के लिए भाई ने भाई का सिर फोड़ा

यूनिक समय, मथुरा। नगला बिरजा में दीवार सीधी करने के लिए दो इंच जमीन को लेकर दो भाइयों के बीच हुई मारपीट में एक भाई ने दूसरे का पाइप मारकर सिर फोड़ दिया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गांव नगला बिरजा निवासी दीप चंद के दो बेटे बच्चू सिंह व नारायण है। रविवार की सुबह नारायण सिंह अपने मकान का निर्माण करा रहा था। मकान के लिए बनाई जा रही दीवार को दूसरे भाई ने मिस्त्री से दीवार को सीधा करने के लिए कहा। इस पर दोनों भाइयों के बीच वाद विवाद बढ़ गया। बात मारपीट तक पहुंच गई। इस पर नारायण ने अपने पुत्र हरवेन्द्र, दिगविजय और सचिन ने बच्चू सिंह के साथ मारपीट की और उसके सिर में लोहे का पाइप मारकर सिर फोड़ दिया। बच्चू सिंह को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बीएसपी के विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष के घर में घुस कर मारपीट

अध्यक्ष सहित घर के तीन लोग घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे के क्षेत्र में बीएसपी के विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष के घर में घुसकर की गई मारपीट में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जयनम कॉलोनी विकास नगर में रहने वाले बीएसपी के विधान सभा क्षेत्र अध्यक्ष प्रेमचन्द्र ने आरोप लगाया कि पुरानी रंजिश के चलते आज सुबह नौ बजे पड़ोस में रहने वाले विशाल सहित आठ लोगों ने उनके घर में घुसकर परिवार के लोगों के साथ मारपीट की, जिससे प्रेमचन्द्र उसकी पत्नी इंद्रा व भाई सूर्यकांत गम्भीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित ने अपने साथ हुई मारपीट की वारदात की तहरीर पुलिस को दी है।

जयसिंह पुरा क्षेत्र में पार्षद ने तीन सीसी सड़कों का किया उद्घाटन

नगर निगम क्षेत्र के जयसिंह पुरा क्षेत्र में सीसी रोड के निर्माण का उद्घाटन करते वार्ड 36 के पार्षद राकेश भाटिया।

वरिष्ठ संवाददाता

वार्ड 36 के विकास में नहीं रहेगी कोई कमी : राकेश भाटिया

यूनिक समय, मथुरा। वार्ड 36 जयसिंहपुरा के पार्षद/कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने सोमवार को सैनी नगरा, माधव कुंज और श्रीजी बिहार कॉलोनी में तीन सीसी और इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण का नारियल फोड़कर उद्घाटन किया।

पार्षद ने बताया कि करीब 25 लाख रुपये से बनने वाली इन सड़कों से लोगों को काफी राहत मिल सकेगी। उन्होंने कहा वायदा किया कि वार्ड 36 के विकास में वे किसी भी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। नगर निगम के अधिकारियों व मेयर के सहयोग से क्षेत्र का विकास कराया जाएगा। पार्षद के साथ गिर्राज धनी के सानिध्य में तीनों सड़कों का उद्घाटन किया गया।

इस मौके पर राकेश कुमार, चंद्रशेखर, विनोद ठाकुर, पवन अग्रवाल, प्रेम मोहन गोस्वामी, सनी ठाकुर, विक्रांत गौड़, श्याम बघेल, बबली यादव, मनोज, कमल दादा, राजू ठाकुर, संजय गोयल, लक्षण, मुन्ना व सूखा आदि मौजूद थे।

जवाहर हाट के स्वामियों को मिले भूमि के स्वामित्व का अधिकार

वरिष्ठ संवाददाता

पीड़ित व्यापारियों ने नगर आयुक्त को दिया ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। नगर उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल के साथ जवाहर हाट के व्यापारियों ने जमीन से ना उजाड़ने व जमीन का स्वामित्व सौंपने की मांग को लेकर नगर निगम मथुरा वृंदावन के कार्यालय पहुंचकर नगर आयुक्त शशांक चौधरी को ज्ञापन दिया।

नगर आयुक्त शशांक चौधरी को ज्ञापन देते जवाहर हाट के व्यापारी।

ज्ञापन में व्यापारियों ने कहा कि नगर निगम की 13 सितम्बर 24 को संपन्न बोर्ड बैठक में पारित प्रस्ताव संख्या 24 में जवाहर हाट पर बसाये शरणार्थी परिवारों को स्वामित्व सौंपने सम्बंधी प्रस्ताव पास किया गया था।

ज्ञापन में पीड़ित व्यापारियों ने कहा कि सन1950 में विभाजन की विभीषिका झेल रहे सिंधी एवं पंजाबी परिवारों की जवाहर हाट सहित तीन अन्य कॉलोनियों में निवास एवं गुजर बसर हेतु आवंटित किया गया था। जिनमें जवाहर हाट को छोड़कर तीन कॉलोनियों के निवासियों को स्वामित्व सम्बधी अधिकार नहीं दिए जा रहे हैं। इसके लिए वे करीब 20 वर्षो से संघर्ष कर रहे हैं। पूर्व में बोर्ड बैठकों में भी प्रस्ताव पारित हुए हैं किन्तु कुछ विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों के हठधर्मिता के चलते उन्हें अभी तक स्वामित्व सम्वन्धी अधिकार प्राप्त नहीं हुए हैं। व्यापारियों ने कहा कि उनके द्वारा लगातार प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त आदि से लिखित में आग्रह कर उनसे स्थानीय सम्बन्धी अधिकार सौंपने का अनुरोध किया। किन्तु कुछ पार्षदों द्वारा इसमें लेन-देन का आरोप लगाकर मण्डलायुक्त के माध्यम से इस प्रकरण सहित अन्य पारित प्रस्तावों पर जांच कराने के आदेश दिए हैं।

व्यापारियों ने कहा कि आरोप पूर्णत निराधार एवं द्वेषपूर्ण भावना से प्रेरित है। जवाहर हाट के निवासियों द्वारा पिछले 40 वर्षों से किये जा रहे लगातार प्रयासों का ही परिणाम है। आरोपों की जांच बाहर के किसी अधिकारी से कराई जाए।

ज्ञापन देने वालों जितेन्द्र, तुलसीदास, रामचंद्र क्षत्री, त्रिलोकी नाथ, किशोरी लाल, नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महामंत्री सुनील अग्रवाल, शशि भानु गर्ग एवं श्री भगवान चतुर्वेदी आदि शामिल थे।

हैंडपंप वाली गली में दो पक्षों के विवाद में जमकर चले ईंट-पत्थर

विवाद में एक युवक घायल

सूचना पर पुलिस पहुंची, तहरीर मिलने पर कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस चौकी कृष्णानगर क्षेत्र स्थित हैंडपंप वाली गली सौंख रोड पर बीती रात दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में जमकर लाठी-डंडे व ईंट पत्थर चले। झगड़े में घायल हुए एक युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मारपीट और झगड़े का वीडियो वायरल हो रहा है। झगड़े की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हैंडपंप वाली गली निवासी आजाद ने बताया कि उसके फूफा का लड़का मंडी चौराहे पर फल बिक्री करता है। उसका एक अन्य व्यक्ति से झगड़ा हो गया था। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच वाद विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्ष एक दूसरे से भिड़ गए देखते ही देखते दोनों ओर से ईंट पत्थर चलने लगे। इसके चलते इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस चौकी कृष्णानगर और कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। चौकी इंचार्ज का कहना है कि इस मामले में तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

डीएस हॉस्पिटल में मारपीट का मामला

विधायक के भाई, भतीजे और प्रतिनिधि के खिलाफ रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। इंडस्ट्रियल एरिया महोली रोड स्थित डीएस हॉस्पिटल के आईसीयू वार्ड में हुई मारपीट के मामले में डॉ. ललित वार्ष्णेय की रिपोर्ट पर विधायक के भाई भतीजे और विधायक प्रतिनिधि के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीएस हॉस्पिटल के संचालक डॉ. ललित वार्ष्णेय द्वारा हॉस्पिटल के आईसीयू वार्ड में भर्ती मांट क्षेत्र के विधायक राजेश चौधरी की मां को देखने के लिए आए लोगों द्वारा ड्यूटी पर मौजूद तीन कर्मचारियों के साथ मारपीट कर आईसीयू में तोड़फोड़ करने के मामले में थाना हाईवे में राजेश चौधरी के भाई जितेंद्र सिंह, सजंय सिंह चौधरी व भतीजे देव चौधरी और विधायक प्रतिनिधि जसवंत के खिलाफ थाना हाईवे में तहरीर दी थी। पुलिस ने इस तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि इस मामले में जसवंत सिंह की ओर से भी हॉस्पिटल के स्टाफ द्वारा मारपीट करने की तहरीर थाना हाईवे में दी गई थी। पुलिस ने उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को रौंदा, युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। छाता-गोवर्धन मार्ग पर बीती रात किसी अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को रौंद दिया, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। पुलिस को तलाशी के दौरान उसके पास से मिले कागजात के आधार पर मृतक गांव कुंजेरा गोवर्धन का रहने वाला निकला।

छाता से गोवर्धन के लिए जाने वाले मार्ग पर गांव सांखी व अलवाई के बीच बीती रात एक बाइक सवार को किसी वाहन ने रौंद दिया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक की तलाशी की तो उसके पास से मिले कागजात के आधार पर उसकी शिनाख्त नवल पुत्र किशन सिंह निवासी गांव कुंजेरा थाना गोवर्धन के रूप में हुई।

पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने परिवारीजनों को भी इस बारे में सूचना दी। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

बकरी पालन ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत

केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम में भ्रमण को आए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एवं सचिव डेयर, नई दिल्ली डॉ. हिमांशु पाठक अधिकारियों के साथ।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एवं सचिव डेयर, नई दिल्ली डॉ. हिमांशु पाठक ने केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम का भ्रमण किया। उन्होंने जमुनापारी शेड स्थित नवनिर्मित बक स्टेशन का उद्घाटन किया। फिर संस्थान की विभिन्न बकरी एवं भेड़ परियोजनाओं को देखा। बकरी व भेड़ की विभिन्न प्रकार की नस्लों एवं उनके रखरखाव पर चर्चा की। महानिदेशक ने संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ गोष्ठी की। उन्होंने संस्थान द्वारा किये जा रहे शोध कार्यों एवं किसानों एवं बकरी पालकों के विकास में संस्थान की भूमिका की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि बकरी पालन ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है और यह देश के आर्थिक विकास में भी योगदान देता है। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की सराहना की। कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण से देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बकरी पालन की तकनीकियों में सुधार हो रहा है।

संस्थान निदेशक डॉ. मनीष कुमार चेटली ने मंच पर महानिदेशक एवं विशिष्ट अतिथि सहायक महानिदेशक डॉ. संजीव गुप्ता, सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर के निदेशक डॉ. पी के राय, एन.आर.सी ऑन सीड एवं स्पाईसीज, अजमेर के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज का स्वागत किया। उन्होंने बकरी की विश्व में तथा भारत में गरीबी उन्मूलन, आजीविका सृजन में योगदान की चर्चा की। कहा कि संस्थान ने बकरी की नई नस्लों के विकास, रोग प्रबंधन, आहार सुधार और प्रजनन तकनीकों में उल्लेखनीय प्रगति की है।

पत्रकार पुनीत शुक्ला के पिता का निधन, लोग स्तब्ध

विनोद कुमार शुक्ला

यूनिक समय, वृंदावन। पत्रकार पुनीत शुक्ला के पिता एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के पूर्व हैड कैशियर सेवानिवृत्त विनोद कुमार शुक्ला का आज आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से लोग स्तब्ध रह गए। वह काफी मिलनसार थे। पत्रकारों समेत अन्य लोगों ने उनके 86, बाग बुंदेला स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी अंतिम यात्रा 22 अक्टूबर को सुबह आठ बजे मोक्षधाम को जाएगी।

छावनी क्षेत्र के लोगों से मांगे सुझाव और आपत्ति

यूनिक समय, मथुरा। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय ने छावनी क्षेत्र के लिए प्रारूप नियमों को प्रकाशित कर दिया है। इन नियमों पर 30 दिन के अन्दर लोगों से आपत्ति या सुझाव की अपेक्षा की गयी है। प्रारूप नियमों के सम्बन्ध में उपरोक्त अवधि की समाप्ति पर किसी भी व्यक्ति से प्राप्त आपत्ति या सुझावों पर केन्द्र सरकार द्वारा विचार किया जायेगा। इन प्रारूप नियमों पर आपत्ति या सुझाव, यदि कोई हो, तो निदेशक; भूमि, रक्षा मंत्रालय, कमरा संख्या 12-ए. साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली-110011 को भेजा जा सकता है। यह जानकारी एक विज्ञप्ति में दी गई है।

जीएलए विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग का सम्मेलन

पैराट्यूबरक्लोसिस बीमारी के निदान को कई देश एकजुट

जीएलए विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पहुंचे देश-विदेश के विषय विशेषज्ञों के साथ विश्वविद्यालय के पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जॉन्स रोग (पैराट्यूबरक्लोसिस) बीमारी एक लाइलाज बीमारी है। इसके निदान के लिए कई देश एकजुट होकर रिसर्च में जुटे हुए हैं। भारत में इस संक्रमण को लेकर कई रिसर्च भी हो चुकी हैं, जिसमें से एक जॉन्स डिजीज वैक्सीन भी तैयार हो चुकी है। बस अब जरूरत है तो सिर्फ सरकार के सहयोग की।

यह बात जीएलए विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग द्वारा वृंदावन स्थित एक होटल में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के पूर्व निदेशक प्रो. एनके गांगुली ने कहीं। उन्होंने कहा कि भारत में 30 प्रतिशत के करीब पशु जॉन्स रोग (पैराट्यूबरक्लोसिस) से संक्रमित हैं। इस कारण अगर पशु ऐसे अपने बच्चे को जन्म देता है तो वह संक्रमण उसमें भी पाया जा रहा है। इसी संक्रमण के चलते पशुओं की प्रजजन क्षमता लगभग खत्म होने के कगार पर है।

उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सरकारों ने इस पर अधिक ध्यान दिया और सभी जानवरों का चेकअप कराकर वैक्सीनेशन कराया। वहां लगभग यह बीमारी खत्म हो गई, लेकिन भारत में सभी प्रदेशों की सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। यहां भी जानवरों का चेकअप हो और वैक्सीनेशन हो।

विशिष्ट अतिथि इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च के पूर्व डीडीजी एनीमल साइंस डॉ. एमएल मदन ने बताया कि अधिकतर देशों में पशुओं में यह बीमारी पाये जाने पर उनको खत्म कर दिया जाता है। भारत देश में पशुओं को मारने पर सख्त कानून है। इस कारण यहां वैक्सीन बनाना बहुत जरूरी है। क्योंकि जॉन्स बीमारी सिर्फ पशुओं में ही नहीं बल्कि, उनके माध्यम से यह लोगों में भी फैल रही है। इसी बीमारी से कहीं हद तक निजात पाने के लिए जीएलए विश्वविद्यालय बायोटेक विभाग प्रो. शूरवीर सिंह ने मखदूम फरह से एक रिसर्च कर जीएलए पहुंचकर एक वैक्सीन को तैयार किया। अगर यही वेक्सीन पूरे देश में पहुंच जाये और पशुओं और उनके बच्चों में वैक्सीनेशन बहुत जरूरी है। इसके लिए सरकार को भी सहयोग देने की जरूरत है।

दुवासु मथुरा के पूर्व कुलपति प्रो. केएमएल पाठक ने कहा कि घरेलू पशुओं की पैराट्यूबरकुलोसिस (पीटीबी) नामक अत्यधिक व्यापक संक्रामक बीमारी के खिलाफ ओरल वैक्सीन विकसित करने के लिए परियोजना तैयार हो चुकी है। इस रोग को जॉन्स रोग (जेडी) के रूप में भी जाना जाता है, यह गाय, भैंस, बकरी, भेड़, उंट, याक आदि की एक लाइलाज बीमारी है। ईरान के अदुल्ला डेराकसंदेह ने कहा कि भारत में वृंदावन की इस पावन धरा पर मुझे भले ही एक सम्मेलन में शामिल होने का अवसर मिला हो, लेकिन बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा कि वह एंटीजन वैक्सीन के पक्षधर हैं। बेजुबानों को बचाने के लिए हम सभी एक होने की जरूरत है।

जीएलए के प्रतिकुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि यह एक बड़ा अवसर है कि पावन धरा पर एक सम्मेलन के बहाने देश-विदेश के वैज्ञानिक और विशेषज्ञ एकजुट होकर बेजुबानों को बचाने के लिए अपने विचार रख रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम विज्ञान की आधुनिकता को लोगों के सामने रखते हैं। कार्यक्रम में जीएलए बायोटेक के विभागाध्यक्ष प्रो. शूरवीर सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत और परिचय कराया।

इस मौके पर आईसीएमआर के पूर्व निदेशक डॉ. वीएम कटोच, पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल वेंक्टेश, पूर्व निदेशक आईसीएआर-आईवीआरआई बरेली के डॉ. नेम सिंह, पूर्व निदेशक आईसीएआर, सीआईआरजी, आईवीआरआई के डॉ. एमसी शर्मा, आईसीएआर के पूर्व एएच कमीशनर डॉ. लालकृष्ण, दुवासु मथुरा के कुलपति प्रो. एके श्रीवास्तव, शेर ई कश्मीर यूनिवर्सिटी जम्मू के कुलपति प्रो. बीएन त्रिपाठी, पूर्व सीनियर सलाहकार डीबीटी के डॉ. मौ. आलम आदि विशेषज्ञ और वैज्ञानिकों ने किसानों को लाभ पहुंचाने पर विचार विमर्श किया।

एकजुटता के बिना समाज का विकास संभव नहीं

बलदेव में महाराजा अंबरीश की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में स्वर्णकार समाज के पदाधिकारी।

यूनिक समय, बलदेव (मथुरा)। स्वर्णकार कुल शिरोमणि महाराजा अंबरीश की जयंती बलदेव स्थित कृष्णा पेइंग गेस्ट हाउस में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य मनाया गया। स्वर्णकार समाज के बंधुओं ने महाराज अंबरीश के चित्र पर फूल माला पहनाकर, आरती उतारी। आयोजित संगोष्ठी में सभी ने विचार व्यक्त करते हुए स्वर्णकार समाज की एकता पर बल दिया।

अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने महाराजा अंबरीश की जीवनी पर प्रकाश डाला। कहा कि एकजुटता के बिना समाज का विकास संभव नहीं है।

अध्यक्षता राम प्रकाश वर्मा ने की। संचालन हरिओम वर्मा ने किया। रिंकू सोनी ने आभार जताया। इस अवसर पर रामप्रकाश वर्मा, अजीत वर्मा, सोनल वर्मा, रिंकू सोनी, हरिओम वर्मा, उमाशंकर सोनी, राम सोनी, मुकेश वर्मा, भगवती वर्मा, घनश्याम सोनी, अप्पू राजा एवं गोपाल प्रसाद वर्मा आदि उपस्थित थे।

माध्यमिक शिक्षक कल लखनऊ में शिक्षा निदेशालय घेरेंगे

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक जवाहर विद्यालय इंटर कॉलेज में जिला अध्यक्ष मनोज सिंह छौंकर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 22 अक्टूबर को लखनऊ में शिक्षा निदेशक माध्यमिक के कार्यालय पर आयोजित होने वाले धरने की समीक्षा की गई। प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ दिनेश सिंह राणा ने सरकार से दीपावली से पहले वेतन भुगतान की मांग की। दीपावली से पहले महंगाई भत्ते व बोनस की घोषणा न होने पर नाराजगी जताई।

डॉ. राणा ने कहा कि इस वर्ष दीपावली 31 अक्टूबर को पड़ रही है, जिससे लगातार अवकाश होने के नाते शिक्षक और कर्मचारियों को समय से वेतन नहीं मिल पाएगा। परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पूर्व वर्षों के भांति सरकार शिक्षक एवं कर्मचारियों को इस वर्ष भी दीपावली से पहले वेतन भुगतान करना चाहिए।

जवाहर इंटर कॉलेज में माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी बैठक करते हुए।

मंडलीय मंत्री जयप्रकाश शर्मा ने कहा कि दिनों दिन महंगाई बढ़ रही है। हमेशा छमाही महंगाई भत्ते की घोषणा दीपावली से पूर्व हो जाया करती थी लेकिन वर्तमान में राज्य सरकार ने अभी तक कर्मचारियों के डीए बढ़ोतरी की घोषणा नहीं की है जिससे लोगों में नाराजगी है। जिला मंत्री शिवकुमार सिंह ने बताया कि कोई भी अधिकार मांगने से नहीं बल्कि संघर्ष से लेना चाहिए। प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर 22 अक्टूबर को 18 पार्क रोड लखनऊ में शिक्षा निदेशालय माध्यमिक कार्यालय पर एक चेतावनी धरना आयोजित किया जा रहा है।

दीपावली से पहले वेतन भुगतान करे सरकार: राणा

माध्यमिक शिक्षकों ने बैठक कर बनाई रणनीति

डीए व बोनस की घोषणा न होने पर संगठन ने जताई नाराजगी

बैठक में मंडलीय मंत्री जयप्रकाश शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष राकेश कुमार ठाकुरेला, ओम प्रकाश शर्मा पूर्व प्रधानाचार्य, बंसीधर अग्रवाल, अटेवा के जिला संयोजक शैलेंद्र कुमार यादव, भगवत प्रसाद चौहान, संजय कुमार, बृजभान गोस्वामी, शैलेंद्र कुमार, गयाप्रसाद यादव, नरेश कुमार, उमाशंकर आदि उपस्थित थे।

संघ प्रमुख 25 को बोलेंगे परखम में

बैठक के प्रस्तावों पर देश भर के लोगों की नजर

मोहन भागवत

यूनिक समय, मथुरा। फरह क्षेत्र के परखम में 25–26 अक्टूबर को होने वाली राष्ट्रीय स्वयं सेवक कार्यकारी मंडल की बैठक की ओर सभी की नजर लगी हैं। द्विदिवसीय बैठक में कई प्रस्तावों पर चर्चा होगी। सर संघ चालक मोहन भागवत 25 अक्टूबर को दो दिवसीय बैठक का उद्घाटन करेंगे। बैठक के संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर 23 अक्टूबर को पत्रकारों से रूबरू होंगे तो सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले 26 अक्टूबर को पत्रकारों से बात करेंगे। बैठक में शामिल होने के बाद देश भर से आरएसएस के प्रमुख पदाधिकारी यहां पहुंच गए हैं या पहुंच जाएंगे। आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रखी है। बाहर की सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा पुलिस पर है।

राधारानी ब्रज यात्रा का गांवों में स्वागत

राधारानी ब्रज यात्रा की अगुवाई करते संत रमेश बाबा।

यूनिक समय, कोसीकलां। राधारानी ब्रज यात्रा के संचालक, विरक्त संत रमेश बाबा के सानिध्य में यात्रा सोमवार को ब्रज यात्रा नंदगाँव से गिडोह, खिटावटा, कादौना होकर सिरथरा पहुँची। बठैन में जगह न मिलने के कारण कोकिलावन दाऊजी पांडव गंगा के दर्शन नहीं कर पाए।

यात्रा का गिड़ोह में स्वागत हुआ। यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम देख रहे हैं कि ब्रज यात्राएं ब्रज के वैभव व ब्रज की सांस्कृतिक पहचान की प्रतीक हैं परंतु यात्राओं के रुकने का स्थान न मिल पाने की स्थिति में यात्रा संचालक यात्राओं को बन्द करने को विवश हैं। उन्होंने सरकारी तंत्र से अपेक्षा की है कि इस ओर ध्यान दे। लगभग सभी जगह सरकारी भूमि उपलब्ध हैं। बस ध्यान देने की आवश्यकता है। संकीर्तन की धुन पर ब्रजवासिनें थिरकती हुई दिखाई दीं। इसी तरह खिटावटे में भी घर घर यात्रियों को रोटी बाँटी गईं। सिरथरा में भी स्वागत हुआ। बाबा द्वारा गाया गया माखन की चोरी बार– बार करें फिर भी तो राधा रानी प्यार करें। नंदगाँव बरसाने के प्रेम की अदभुत छटा देखने को मिली। बाबा ब्रज शरण, नृसिंह दासजी, सुरेश पण्डित, राधा कान्त शास्त्री, ब्रजदास, राज कुमार शास्त्री आदि यात्रा में साथ चल रहे हैं।

यात्राओं के लिए स्थान न मिलने पर संत रमेश बाबा चिंतित

चोरी की घटनाओं को लेकर इंस्पेक्टर से व्यापारियों की मुलाकात

थाना प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार से मुलाकात करते कोसीकलां के व्यापारी।

यूनिक समय, कोसीकलां। शहर में बढ़ती चोरियों को लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने थाना प्रभारी निरीक्षक से मुलाकात कर जल्द घटनाओं के खुलासे की मांग की है। वहीं पुलिस ने भी व्यापारियों से सहयोग का आह्वान किया है। शहर में चोर उच्चकों ने वारदात दर वारदात को अंजाम दिया है। चोर मुख्य बाजार से लेकर किसी भी कोने में बड़ी आसानी से घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। शहर में लगातार हो रही घटनाओं से व्यापारी एवं दुकानदार बेहद सहमे हुए हैं। जबकि पुलिस अभी तक इन घटनाओं पर लगाम नहीं लगा सकी है। इन्हीं सभी घटनाओं को लेकर व्यापारियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने थाना प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार से मुलाकात की। घटनाओं पर जल्द विराम लगाने की मांग की। वहीं इंस्पेक्टर ने उन्हें वारदातों के जल्द खुलासे का भरोसा दिलाते हुए सहयोग की मांग की है। मुलाकात करने वालों में जगदीश अग्रवाल केशर वाले, कैलाशचंद अगरारिया, धर्मेंद्र, कैलाश सीमेंट वाले, राकेश अग्रवाल एडवोकेट, अजय कुमार वार्ष्णेय एवं पप्पू शर्मा आदि व्यापारी शामिल थे।

बाइक आमने–सामने भिड़ीं, आगरा ले जाते समय एक की मौत

यूनिक समय, हाथरस। दवा कंपनी में एमआर सादाबाद से सहपऊ दवा का प्रचार करने जा रहे थे। गांव मढ़ाका के पास उसकी बाइक में सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े।

सादाबाद जलेसर मार्ग पर स्थित गांव मढ़ाका के पास दो बाइकों में आमने–सामने टक्कर हो गई। आपस में हुई टक्कर से घायल दोनों सवारों को सीएचसी सादाबाद में भर्ती कराया गया। जिसमें से एक बाइक सवार को आगरा रेफर कर दिया गया। आगरा ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सादाबाद के गांव मन्स्या निवासी 39 वर्षीय सुधीर कुमार पुत्र सुखवीर सिंह एक दवा कंपनी में एमआर का कार्य करता था।

21 अक्टूबर की दोपहर वह सादाबाद से सहपऊ दवा का प्रचार करने जा रहे थे। गांव मढ़ाका के पास उसकी बाइक में सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े।

स्थानीय नागरिकों ने उनको सीएचसी सादाबाद भिजवाया। हादसे की सूचना पर उसके परिजन भी सीएचसी पर आ गए। जहां से उक्त युवक को गंभीर हालत में आगरा रेफर कर दिया गया।

उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्ट के लिए हाथरस भेज दिया।

बहराइच हिंसा मामले में बहुत बड़ी कार्रवाई

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पर गिरी गाज, हटाए गए

यूनिक समय, लखनऊ। यूपी के बहराइच में हुई हिंसा मामले में बहुत बड़ी कार्रवाई हुई है। बहराइच के अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पवित्र मोहन त्रिपाठी हटाए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक को डीजीपी कार्यालय से संबद्ध किया गया है। दुर्गा प्रसाद तिवारी जिले के नये अपर पुलिस अधीक्षक बनाए गए हैं।

दरअसल मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के दौरान दो पक्षों में झड़प हुई थी। विवाद डीजे बजाने को लेकर शुरू हुआ था। इसके बाद जमकर हिंसा हुई। आगजनी और पत्थरबाजी के बाद गोलीबारी शुरू हो गई। 22 साल के रामगोपाल मिश्रा इस दौरान एक घर की छत पर भगवा झंडा फहरा रहा था। इसी बीच उसे गोली मार दी गई थी। अस्पताल ले जाते समय रामगोपाल की मौत हो गई।

रामगोपाल की मौत के बाद बवाल बढ़ गया था। परिजन उसका शव लेकर विरोध प्रदर्शन में लग गए। अन्य लोग भी उनके साथ थे। इस दौरान उपद्रवियों ने कई घरों में आग लगा दी। अस्पताल, शो रूम और कारें भी फूंक दी। अंत में एसटीएफ चीफ को पिस्टल लेकर भीड़ को खदेड़ना पड़ा। इसके बाद धीरे–धीरे हालात सामान्य हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यानथ ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

बहराइच मामले पर खुद सीएम योगी पल–पल का अपडेट लेते रहे। हिंसा के बीच टॉप अधिकारियों को फील्ड पर उतारा गया। दरअसल बहराइच में सीधे–सीधे योगी राज के लॉ एंड ऑर्डर को चैलेंज किया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ पत्थरबाजी के तुरन्त बाद एक्टिव हो गए। सीएम योगी ने बहराइच में माहौल खराब करने वालों को अल्टीमेटम दिया और कहा जिसने भी अपराध किया उसे बख्शा नहीं जाएगा।

बहराइच के महाराजगंज में हुए दंगे के मामले में सभी पांच आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। 18 अक्तूबर शुक्रवार की सुबह सीजेएम प्रतिभा चौधरी के आवास पर आरोपियों की पेशी हुई थी, जहां सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अब्दुल हमीद, सरफराज उर्फ रिंकू और गांव के ग्राम प्रधान पति समेत पांच लोगों की शहर के पानी टंकी स्थित जजेज़ कॉलोनी में पेशी हुई। इसके बाद सभी को जिला कारागार में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष हरदी कमल शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि 14 दिनों की जेल हुई है। इसके बाद रिमांड पर लिया जाएगा।

बार-बार हो रही है शरीर में आयरन की कमी

तो जान लें इसके पीछे के कारण

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप के भी आयरन रिच फूड्स खाने के बाद भी शरीर में आयरन की कमी रहती है, तो इसके पीछे हो सकते हैं ये कारण। यदि आप ने इन चीजों पर ध्यान न दिया हो तो आयरन रिच फूड्स खाने का कोई फायदा नहीं है।

जब बॉडी में आयरन की कमी होने लगती है, तो आयरन रिच फूड्स और सप्लीमेंट्स का सेवन किया जाता है। अगर फिर भी शरीर में पर्याप्त मात्रा में आयरन नहीं रहता। तो इससे कई समस्याएं बनी रहती हैं। पोषण से भरपूर खाना खाने के बाद भी शरीर में आयरन की कमी महसूस होती है। तो इसके लिए ये 5 कारण जिम्मेदार हो सकता हैं।

एसिड का प्रोडक्शन कम होना: यदि शरीर में लो एसिड प्रोड्यूस होता है यानी एचसीएल का लेवल बॉडी में कम होता है। तो इस वजह से एसिडिटी, एसिड रिफ्लक्स जैसी समस्या होती है और पेट में बनने वाली गैस आयरन अब्जॉर्ब होने से रोकती है। इस कारण से सेल्स को पर्याप्त मात्रा में आयरन नहीं मिल पाता है और बॉडी में आयरन की कमी बनी रहती है।

बार-बार इन्फेक्शन होना: किसी भी व्यक्ति को जल्दी-जल्दी इंफेक्शन जैसे यूटीआई या फिर एच पाइलोरी इंफेक्शन जो एक तरह का पेट का इंफेक्शन है। इसके पीछे का कारण शरीर के पैथोजन इम्यूनिटी सिस्टम इंफेक्शन से लड़ने में लग जाता है। इतना ही नहीं, आयरन की मात्रा को अब्जॉर्ब नहीं होने देता। इस कारण आयरन की कमी शरीर में बनी रहती है।

शरीर में सूजन होना: दरअसल, शरीर में सूजन या इंफ्लेमेशन बढ़ जाती है, तो सेल्स बहुत तेजी से मूव करने लगते हैं। वहीं, आयरन अब्जॉर्ब नहीं होने देते हैं। इसकी वजह से आयरन डिफिसिएंसी बनी रहती है।

टैनिन रिच फूड्स: यदि आप टैनिन रिच फूड्स का सेवन करते जैसे कि कॉफी, चाय और चॉकलेट तो शरीर में आयरन की मात्रा नहीं पहुंच पाती है और आयरन की कमी बनी ही रहती है।

विटामिन सी रिच फूड्स की कमी : अगर आपके शरीर में विटामिन सी रिच फूड्स की पर्याप्त मात्रा नहीं होगी, तो आयरन का अब्जॉर्ब्शन नहीं होगा।

सफेद कपड़ों की चमक हमेशा रहेगी बरकरार

आप भी अपनाएं क्लीनिंग के आसान हैक्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज हम आपको ऐसे ही ट्रेंडिंग कुछ हैक्स बताने जा रहे हैं, जो आपके काम को काफी हद तक आसान कर देंगे। इसलिए अगर आपको सफेद कपड़ों की चमक को बरकरार रखना है, तो आपको ये हैक्स जरूर ट्राई करना चाहिए।

समय के साथ ही सफेद कपड़े अपनी चमक खो देते हैं। ऐसा बार-बार पहनने से भी हो सकता है। बार-बार पसीना और धोने की वजह से उन पर दाग या फिर पीलापन आ सकता है। ऐसे में आप सही तरीका और कुछ हैक्स अपनाकर सफेद कपड़ों की चमक को वापस पा सकते हैं। साथ ही उनको लंबे समय तक फ्रेश बनाए रख सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसे ही ट्रेंडिंग कुछ हैक्स बताने जा रहे हैं, जो आपके काम को काफी हद तक आसान कर देंगे। इसलिए अगर आपको सफेद कपड़ों की चमक को बरकरार रखना है, तो आपको ये हैक्स जरूर ट्राई करना चाहिए।

धोने से पहले करें प्री-ट्रीट: धोने से पहले सफेद कपड़ों को रंगीन कपड़ों से अलग कर लें। क्योंकि इससे सफेद कपड़ों की चमक फीकी पड़ सकती है। धोने से पहले किसी भी दाग को पहले अच्छे से ट्रीट कर लें। दाग वाले एरिया पर बेकिंग सोडा और पानी का साधारण घोल लगाकर उस दाग को कम करें।

ठंडे पानी और डिटर्जेंट का इस्तेमाल : सफेद कपड़ों को गर्म पानी में धोने से इनमें दाग जम सकते हैं और साथ ही कपड़े भी खराब हो सकते हैं। सफेद कपड़ों के लिए ठंडे या गुनगुने पानी में हल्के डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। यह कपड़ों को घिसने और रंगहीन होने से बचाता है।

मशीन न करें ओवरलोड : ओवरलोड करने से वॉशिंग मशीन में ठीक से सफाई नहीं हो सकती है। इसलिए सफेद कपड़ों को अच्छे तरीके और आसानी से साफ होने दें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि मशीन ज्यादा भरी न हो। इससे मशीन में गंदगी जल्दी साफ होगी।

दूध में भिगोएं सफेद कपड़े : सफेद कपड़ों को ब्राइट करने के लिए दूध का इस्तेमाल किया जाता है। खास तौर पर सिल्क, लेस, या कॉटन जैसे नाजुक कपड़ों को दूध में भिगोने से मौजूद एंजाइम और प्रोटीन दाग हट जाते हैं। यह कपड़ों को बिना भिगोए चमकाने का काम करते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल: सबसे पहले एक टब में बराबर मात्रा में ठंडा पानी लें। फिर इसमें फुल फैट दूध मिला लें। अब गंदे कपड़ों को इस मिश्रण में 1 घंटे के लिए भिगो दें। इसमें थोड़ा सा बेकिंग सोडा भी डाल सकते हैं। यह स्क्रब की तरह काम करेगा। भिगोने के बाद ठंडे पानी से कपड़ों को धो लें। नाजुक कपड़ों के लिए यह हैक बहुत असरदार है।

एस्पिरिन का घोल: एस्पिरिन एक दर्द निवारक दवा है, जिसमें सैलिसिलिक एसिड होता है। यह दागों को काटता है और कपड़े के रंग को बरकरार रखता है। साथ ही यह कपड़ों की चमक वापस लाने में सहायक होता है।

ऐसे करें इस्तेमाल : एक गैलन में गर्म पानी में 5-6 एस्पिरिन की गोलियां घोलें। अपने सफेद कपड़ों को 4-5 घंटे इस घोल में भिगो दें। अब हाथ की मदद या फिर वॉशिंग मशीन में इसको धो लें। कपड़े के जिद्दी पीले दागों पर एस्पिरिन प्रभावी ढंग से काम करता है। यह पारंपरिक ब्लीच का एक अच्छा ऑप्शन है।

जिद्दी दागों के लिए हाइड्रोजन पेरोक्साइड: यह एक नेचुरल एजेंट है, जो कपड़ों से जिद्दी दाग को हटाने के साथ पीलेपन को कम करने का भी काम करता है। सफेद शर्ट पर अंडरआर्म के दाग या फिर पसीने के दाग हटाने के लिए बहुत उपयोगी है।

ऐसे करें इस्तेमाल : एक गैलन पानी में 1 कप हाइड्रोजन पेरोक्साइड घोलें। फिर इस मिश्रण में सफेद कपड़ों को आधे घंटे के लिए भिगो दें। इसके बाद कपड़ों को डिटर्जेंट से हटाकर ब्रश से रगड़कर साफ कर लें। हाइड्रोजन पेरोक्साइड दागों को हटाता है और अधिकतर कपड़ों पर सुरक्षित रहता है। यह क्लोरीन ब्लीज का एक बेहतरीन ऑप्शन बन जाता है।

चेहरे पर आएगी चांद सी चमक

ऐसे करें बेसन-दूध समेत किचन में रखी इन चीजों का इस्तेमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। दीपावली से पहले आप भी अपने चेहरे पर चांद सी चमक लाना चाहती हैं? अगर हां, तो आपको किचन में रखी इन चीजों की मदद से केमिकल फ्री फेस पैक बनाकर जरूर देखना चाहिए।

नेचुरल ग्लो पाने के लिए नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए। केमिकल बेस्ड प्रोडक्ट्स आज नहीं तो कल आपकी स्किन के लिए काफी ज्यादा खतरनाक साबित होंगे। इसलिए आज हम आपको एक ऐसे फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे बनाने में न तो आपको ज्यादा समय लगेगा और न ही आपके ज्यादा पैसे खर्च होंगे। करवा चौथ से पहले इस फेस पैक को अप्लाई कर आपके चेहरे पर चांद सी चमक दिखाई देने लगेगी। आइए जानते हैं कैसे...

फेस पैक बनाने का तरीका : घर पर केमिकल फ्री फेस पैक बनाने के लिए आपको बेसन, दूध, हल्दी और गुलाब जल की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले एक कटोरी में 2 स्पून बेसन और थोड़ा सा कच्चा दूध निकाल लीजिए। अब इसी कटोरी में चुटकी भर हल्दी और एक स्पून गुलाब जल डालकर इन सभी नेचुरल चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लीजिए। आपका नेचुरल फेस पैक इस्तेमाल करने के लिए तैयार है।

कैसे करें इस्तेमाल ?

अब आपको इस फेस पैक को अपने चेहरे और गर्दन वाले हिस्से पर अच्छी तरह से अप्लाई करना है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए इस फेस पैक को थोड़ी देर तक लगाए रखें और फिर फेस वॉश कर लें। मुंह धोने के तुरंत बाद आपको अपनी स्किन पर पॉजिटिव असर महसूस होने लगेगा। आप इस फेस पैक को एक हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, इस फेस पैक को पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें।

मिलेंगे फायदे ही फायदे

बेसन, दूध, हल्दी, गुलाब जल, किचन में रखी ये सभी चीजें आपकी स्किन हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती हैं। इन सभी चीजों में पाए जाने वाले तत्व आपकी डेड स्किन सेल्स को रिमूव कर आपकी त्वचा की रंगत को सुधारने में कारगर साबित हो सकती है। इस बार करवा चौथ से एक दिन पहले आपको भी ये फेस पैक जरूर ट्राई करके देखना चाहिए।

गुलाबी ठंड में दक्षिण भारत की इन पांच जगहों को एक्सप्लोर करें, रोमांच से भरपूर होगी यात्रा

यूनिक समय, नई दिल्ली। सर्दियों के मौसम में अगर आप कहीं घूमने की सोच रहे हैं, तो आप साउथ इंडिया की इन जगहों पर घूमने के लिए जरूर जाएं। इन जगहों पर सुहावना मौसम, सुंदर दृश्य, ठंडी हवा और कई सुंदर चाय बागान देखने को मिलते हैं। आप गुलाबी ठंड में दक्षिण भारत की सुखद एहसास ले सकते हैं।

दिवाली के बाद से सर्दियां लगभग शुरू हो जाती हैं और सर्दी का एहसास भी अब महसूस होने लगा है। इस दौरान घूमने का एक अलग ही मजा होता है। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप साउथ इंडिया के इन जगहों पर जरूर जाएं।

शुरुआती सर्दी के मौसम में कई लोग बर्फ से ढके पहाड़ देखने जरूर जाते हैं। लेकिन आप गुलाबी ठंड में दक्षिण भारत का सुखद एहसास ले सकते हैं। अगर आप सर्दियों की ठंडी हवा से बचना चाहते हैं, तो आप इन जगहों पर घूमने जरूर जाएं।

ऊटी : तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में नीलगिरि पहाड़ियों में स्थित, ऊटी दक्षिण भारत के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां सुहावना मौसम, सुंदर दृश्य, ठंडी हवा और कई सुंदर चाय बागान देखने को मिलते हैं। इसके अलावा, प्रकृति के बीच एक टॉय ट्रेन की सवारी उन लोगों के लिए एकदम सही है जो एक आरामदायक छुट्टी की तलाश में हैं। दिल्ली से ऊटी की 4-5 दिन की यात्रा में आपके बजट के आधार पर प्रति व्यक्ति लगभग 35,000 रुपये - 45,000 रुपये का खर्च आ सकता है। ऊटी में इन बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग हुई है। सर्कस, कुछ कुछ होता है और गोलमाल अगेन जैसी फिल्मों की शूटिंग ऊटी में हुई थी।

कूर्ग : इस लिस्ट में अगला स्थान कूर्ग का है, जो भारत के स्कॉटलैंड के नाम से मशहूर है। यह समृद्ध संस्कृति, सुंदर दृश्यों, झरनों, रोमांच और आश्चर्यजनक कॉफी बागानों का के लिए जाना जाता है। यहां का मुख्य पर्यटक आकर्षण तमारा कार्निवल, मदिकेरी किला, एबी और इरुप्पु फॉल्स और होन्नमाना केरे झील हैं। कूर्ग की एक राउंड ट्रिप के लिए आपको ऊटी जितना ही खर्च करना पड़ सकता है।

अलेप्पी : अलेप्पी भारत के केरल में सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। वेनिस के रूप में लोकप्रिय यह गंतव्य बैकवाटर, हरे-भरे दृश्य और सुंदर समुद्र तटों का घर है। यह स्थान एक रोमांटिक माहौल प्रदान करता है और यह जगह उन लोगों के लिए आदर्श है जो अपने सहयोगियों के साथ कुछ खास समय बिताना चाहते हैं। यहां के प्रमुख आकर्षण अलापुझा और मरारी बीच, पुन्नमदा झील पर हाउस बोटिंग और कुमारकोम पक्षी अभयारण्य हैं। यहां एक राउंड ट्रिप के लिए आपके पैकेज के अनुसार प्रति व्यक्ति 40,000 रुपये से 50,000 रुपये तक का खर्च आ सकता है।

वायनाड: इस लिस्ट में अगला स्थान केरल का वायनाड है। हरी-भरी हरियाली, वन्य जीव और धुंध भरा मौसम, यह जगह सर्दियों में घूमने के लिए एकदम बढ़िया है। यह स्थान प्रकृति प्रेमियों के लिए बेहतरीन ऑप्शन है। यहां के टॉप पर्यटक आकर्षण एडक्कल गुफाएं, चेम्बरा पीक, कुरुवा द्वीप और करापुझा बांध हैं।

वायनाड की 3 से 4 दिन की यात्रा का खर्च पैकेज के आधार पर प्रति व्यक्ति 30,000 रुपये से 40,000 रुपये हो सकता है।

कोडईकनाल : तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले की पहाड़ियों के बीच स्थित यह जगह हिल स्टेशन की राजकुमारी के नाम से मशहूर है।

ठंड के महीनों के दौरान कपल के घूमने के लिए यह जगह एकदम मस्त है। यहां के कुछ प्रमुख पर्यटक आकर्षण कोडाई और बेरिजम झीलें, ग्रीन वैली, बियर शोला फॉल्स, तलैयार फॉल्स, कुक्कल गुफाएं और अन्य हैं। दिल्ली से यहां आने-जाने का खर्च प्रति व्यक्ति 30,000 रुपये से 40,000 रुपये हो सकता है।

सम्पादकीय

विमानों में धमकी पर अब कड़े प्रावधानों की दरकार

सबसे सुरक्षित और सुगम मानी जाने वाली विमान सेवाओं को लेकर इन दिनों भारत में चिंताएं बढ़ी हुई हैं। पिछले एक हफ्ते में करीब 70 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बम की धमकी को लेकर सुरक्षा एजेंसियां और विमान कंपनियां अलर्ट मोड में हैं। त्योहारी सीजन के कारण सभी उड़ानें पूरी यात्री क्षमता के साथ उड़ रही हैं। हालांकि सभी धमकियां अफवाह साबित हुईं, लेकिन इनसे एक बार फिर इस बात का पता चलता है कि सोशल मीडिया पोस्ट या ई–मेल से खुलेआम धमकी देना कितना आसान हो गया है। किसी अनहोनी के बगैर ही यात्रियों, हवाई अड्डों, विमान कंपनियों और सुरक्षा एजेंसियों को परेशानी से गुजरना पड़ता है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि धमकी देने वाले पकड़े नहीं जाते। देश में 1999 में आखिरी विमान अपहरण कांड के बाद हवाई यात्रा की सुरक्षा के लिए जिस तरह के कड़े कदम उठाए गए थे, फर्जी धमकियों से निपटने के लिए उसी तरह का कारगर तंत्र विकसित करना जरूरी हो गया है।

पवन गौतम
संपादक

नागरिक उड्डयन मंत्रालय धमकी की घटनाओं पर लगाम के लिए नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) की सिफारिशों पर विचार कर रहा है। एक सिफारिश यह है कि धमकी देने वालों को पांच साल के लिए हवाई यात्रा से प्रतिबंधित किया जाए। सिर्फ इस कदम से अफवाह फैलाने वालों को कड़ा संदेश नहीं मिलेगा। फिलहाल यह भी स्पष्ट नहीं है कि धमकी देने वाले हवाई यात्रा करते भी हैं या नहीं। विमान अधिनियम 1934 के तहत फिलहाल उन्हीं लोगों पर हवाई यात्रा का प्रतिबंध लगाया जाता है, जो विमान में सफर के दौरान या चढ़ते–उतरते समय उपद्रव मचाते हैं। यह प्रतिबंध कितने दिन का होगा, एयरलाइन तय करती है। मौजूदा परिप्रेक्ष्य में विमान सेवाओं की सुरक्षा के लिए ज्यादा ठोस और कारगर रणनीति की दरकार है। विमान अधिनियम 1934 की समीक्षा कर इसमें धमकी देने वालों से सती से निपटने के प्रावधान जोड़े जाने चाहिए। हैरानी की बात है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने इसी साल जुलाई में ऐसे प्रावधान जोड़ने की सिफारिश की थी, पर उसी समय तत्काल कदम उठाने की जरूरत नहीं समझी गई।

ब्यूरो यह भी कह चुका है कि फर्जी कॉल, सोशल मीडिया पोस्ट या ई–मेल के जरिए धमकी देने वालों को सबक सिखाने के लिए भारतीय दंड संहिता के प्रावधान ज्यादा प्रभावी नहीं हैं। विमान सेवाओं में प्रोटोकॉल के पालन पर जितना ध्यान दिया जाता है, उतनी ही सतर्कता धमकी देने वालों से निपटने के लिए जरूरी है। सजा इतनी कड़ी होनी चाहिए कि समाजकंटक सपने में भी धमकी देने के बारे में न सोचें।

नजरिया

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश

ललित गर्ग

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश देने वाला यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में हुआ है। इस प्रतिमा में न्याय की देवी को भारतीय वेषभूषा में दर्शाया गया है। वह साड़ी में दर्शाई गई हैं। सिर पर सुंदर का मुकुट भी है।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने भारतीय न्याय प्रणाली की अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं को दूर करते हुए अब न्याय की देवी की मूर्ति की आंखों से काली पट्टी हटा दी गई है। इसके साथ ही मूर्ति की हाथ में तलवार की जगह संविधान ने ले ली है। यह कानून को सर्वद्रष्टा एवं भारतीयता का रंग देने की एक सार्थक एवं समयोचित पहल है। सांकेतिक रूप से देखा जाए तो कुछ महीने पहले लगी न्याय की देवी की नई मूर्ति साफ संदेश दे रही है कि न्याय अंधा नहीं है और वह संविधान के आधार पर काम करता है। इस सराहनीय कदम के बावजूद एक बड़ा सवाल है कि क्या मूर्ति की आंखों से पट्टी हटा देने का असर कानूनी प्रक्रिया पर पड़ेगा? भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। लेकिन यह स्थिति कब बनेगी? क्या न्याय की देवी की मूर्ति में परिवर्तन करने से न्याय प्रक्रिया में कुछ बदलाव हो सकेगा?

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश देने वाला यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में हुआ है। इस प्रतिमा में न्याय की देवी को भारतीय वेषभूषा में दर्शाया गया है। वह साड़ी में दर्शाई गई हैं। सिर पर सुंदर का मुकुट भी है। माथे पर बिंदी, कान और गले में पारंपरिक आभूषण भी नजर आ रहे हैं। जो प्रतीकात्मकता में बदलाव का संकेत है और भारत में न्याय की उभरती भावना को दर्शाता है। लेकिन नई प्रतिमा जिन मूल्यों एवं मानकों की ओर इशारा कर रही है, क्या उसे समझने एवं देखने की हमारी तैयारी है? अगर इस प्रतीकात्मक बदलाव के मूल उद्देश्य को हम नहीं समझ पायेंगे तो यह बदलाव भी अर्थहीन ही होगा। निश्चित ही प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट और न्याय व्यवस्था पारदर्शिता की ओर कदम बढ़ा रही है। लगातार यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि न्याय सभी के लिए है, न्याय के समक्ष सब बराबर हैं और कानून अब अंधा नहीं है। अब न्याय की देवी के एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में पुस्तक है जो संविधान जैसी दिखती है।

यह सर्वविदित एवं लोगों में आम धारणा है कि थाना–पुलिस और कोर्ट–कचहरी का चक्कर लगा–लगा कर आम आदमी की जिंदगी तबाह हो रही है, तब मूर्ति की आंखों से पट्टी हटाकर भला क्या सुधर जाना है? न्याय की देवी को सच में आंखें देनी हैं तो कानून में आमूल–चूल परिवर्तन, त्वरिता, समयबद्धता एवं समानता की जरूरत होगी। यह तो चीफ जस्टिस भी जानते हैं। आखिर किसे नहीं पता कि इस देश में सड़क से लेकर अदालत तक, हर जगह कानून की धज्जियां उड़ती हैं और न्याय की देवी यूं ही स्टैच्यू बनी रहती हैं। कोई हरकत नहीं, बिल्कुल संवेदनहीन। सड़कों पर कानून तमाशबीन बनकर खड़ा है, थाने में वह उगाही और उत्पीड़न का अस्त्र बना है तो अदालतों में दलीलों और तारीखों की बेइंतहा ऊबाऊ प्रक्रिया का जटिल हिस्सा है, जिसकी जकड़न में गए तो खैर नहीं। अब तक अंधे कानून की त्रासदी न्याय की देवी देख नहीं पाती थीं, अब वो खुली आंखों से सब देखेंगी। कम–से–कम उम्मीद तो कर ही सकते हैं कि देख पाने के कारण न्याय की देवी की मूर्ति में भी संवेदना जग जाए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने वाकई अच्छी पहल की है, उसका स्वागत होना चाहिए।

1983 को एक फिल्म अंधा कानून रिलीज हुई थी। इस फिल्म एवं इसके गाने में कोर्ट–कचहरी, वकील–दलील, सुनवाई–फैसले के हालात को शब्द दिए गये हैं। कहा गया कि अस्मतें लुटीं, चली गोली, इसने आंख नहीं खोली। फिर गीत कहता हैं– लंबे इसके हाथ सही, ताकत इसके साथ सही।

पर ये देख नहीं सकता, ये बिन देखे है लिखता। इस तरह फिल्म कानून को अंधा बताती है। स्थिति यह है कि आज भी न्यायालयों में यह चर्चा अमूमन होती है कि अदालत में पेश होने वाले अभियोजन या अभियोग पक्ष के रुतबे को देखकर न्याय प्रभावित हो जाता है। लेकिन उस समय की मूर्ति की मूल भावना कहां और कितनी प्रभावी रही है, यह सर्वविदित है। अब नयी संशोधित प्रतिमा का संदेश है कि देश में न्याय अंधा नहीं है, वह इस बात पर जोर देती है कि भारत में न्याय दूरदर्शिता और समानता के साथ काम करता है। जो संतुलन और निष्पक्षता का प्रतीक है–यह दर्शाता है कि न्यायालय किसी निर्णय पर पहुँचने से पहले सभी पक्षों से तथ्यों और तर्कों को तौलता है। इसका मतलब है कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं, इसमे न पैसे वाले का महत्व, न रुतबा, ताकत और हैसियत को महत्व दिया जाता है।

न्याय की देवी, जिसे हम अक्सर अदालतों में देखते हैं, असल में यूनान की देवी हैं। उनका नाम जस्टिया है और उन्हीं के नाम से 'जस्टिस' शब्द आया है। उनकी आंखों पर बंधी पट्टी दिखाती है कि न्याय हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। 17वीं शताब्दी में एक अंग्रेज अफसर पहली बार इस मूर्ति को भारत लाए थे। यह अफसर एक न्यायालय अधिकारी थे। 18वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के दौरान न्याय की देवी की मूर्ति का सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल होने लगा। भारत की आजादी के बाद भी हमने इस प्रतीक को अपनाया। यह बदलाव औपनिवेशिक शासन के अवशेषों को हटाने के अन्य प्रयासों को दर्शाता है, भारत गुलामी के सभी संकेतों से बाहर निकलना चाहता है। जैसे कि हाल ही में आपराधिक कानूनों में बदलाव, भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता को लागू करना है।

यहां नई मूर्ति के नए संकेतों का अर्थ गहराई से समझना भी जरूरी है। न्याय समाज में संतुलन का प्रतिनिधित्व करें, न्यायिक संचालन–प्रक्रिया सांविधानिक प्रावधानों के अनुरूप चले। सबको समान रूप से देखें। हम न्याय की देवी द्वारा इंगित मूल्यों में संजीदगी दिखाये। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आखिर भारतीय न्याय–व्यवस्था को लेकर आम धारणा इतनी कटु क्यों है? यह क्यों माना जाता है कि यहां न्याय देर से मिलता है, जबकि अदालतों में तारीखें अनवरत मिलती रहती हैं? जिस सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की वकालत की गई है, उसे वास्तविक अर्थों में साकार करने में हम अब तक क्यों विफल रहे हैं? जब तक इन सवालों के उचित जवाब हम नहीं खोज लेते हैं, तब तक न्याय की देवी के प्रतीक–चिह्नों की सार्थकता कठघरे में खड़ी की जाती रहेगी। असल में, प्रतीक–चिह्न एक पहचान के रूप में काम करते हैं। इन प्रतीक–चिह्नों से जो प्रतीकात्मक अर्थ निकल रहा है, वह हर हाल में साकार हो। भारतीय अदालतें इस मामले में उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर सकी हैं। लिहाजा, इन संकेतों के सार्थक होने के लिए हमें कुछ अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। न्याय में देर करना अन्याय है। भारत की न्यायप्रणाली इस मायने में अन्यायपूर्ण कही जा सकती है, क्योंकि भारत की जेलों में 76 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं, जिनका अपराध अभी तय नहीं हुआ है और वे दो दशक से अधिक समय से जेलों में नारकीय जीवन जीते हुए न्याय होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए न्यायप्रणाली की धीमी रफ्तार को गति देकर ही ऐसे विचाराधीन कैदियों के साथ न्याय देना संभव है और इसी से सशक्त भारत का निर्माण होगा और प्रतीकात्मक प्रतीक चिह्नों में बदलाव का कोई सार्थक उपयोग एवं असर होगा। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र भी स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये। भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए।

विचार–विंडो

सोशल मीडिया पर फ्लैगिंग के नए चलन से रिश्तों में आती दरार

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देखा जाए तो सोशल मीडिया पर पिछले साल सवा साल से चल रहे ट्रेंड से आपसी संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा हैं वहीं सोशल मीडिया से जुड़ें लोगों में नकारात्मकता और डिप्रेशन का प्रमुख कारण बनता जा रहा है।

आपसी संबंधों में दरार का नया कारण सोशल मीडिया का नया चलन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ समय से फ्लैगिंग का नया ट्रैंड चल पड़ा है। पहली बात तो यह कि लोगों का सोशल मीडिया पर रुझान तेजी से बढ़ा है और कोढ़ में खाज यह कि सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया का दौर भी तेजी से चल पड़ा है। मजे की बात यह कि सोशल मीडिया पर रिएक्शन नहीं आना भी डिप्रेशन का कारण बन रहा है तो सोशल मीडिया पर किसी भी तरह का रिएक्शन भी तनाव का कारण बनती जा रही है। इन दिनों फ्लैगिंग का नया दौर चल पड़ा है पर इसमें भी अधिक तो यह कि बेज फ्लैगिंग का नया ट्रेंड साथी को अधिक प्रताड़ित करने लगा है। प्रताड़ना का मतलब तनाव का प्रमुख कारण होने से हैं।

देखा जाए तो सोशल मीडिया पर पिछले साल सवा साल से चल रहे ट्रेंड से आपसी संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा हैं वहीं सोशल मीडिया से जुड़ें लोगों में नकारात्मकता और डिप्रेशन का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। नए ट्रेंड को भले ही सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता गंभीरता से नहीं ले रहे हो पर जिस किसी पर नए ट्रेंड के अनुसार फ्लैगिंग के माध्यम से कमेंट्स किये जा रहे हैं उसका असर अंदर तक पहुच रहा है। दर असल पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया में इशारों–इशारों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने का नया चलन तेजी से चला है। एक ओर जहां इमोजी का प्रयोग आम है तो फ्लैगिंग का नया चलन उससे भी अधिक गंभीर है। सोशल मीडिया पर इन दिनों बेज फ्लैग का चलन कुछ ज्यादा ही चला है। बेज फ्लैग का सीधा सीधा मतलब यह निकाला जा रहा है कि इस तरह का व्यवहार जो ना तो अच्छा है और ना ही बुरा, लेकिन इस तरह की प्रतिक्रिया संबंधित को सोचने को मजबूर कर देती है। खासतौर से इसका चलन आपसी रिश्तों को लेकर किया जा रहा हैं और इससे संबंधित में एक तरह की हीन भावना आती है और उसका दुष्परिणाम हम सब जानते ही हैं। इससे पहले साथियों को रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग का लेबल दिया जाता रहा है। हांलाकि यह भी नकारात्मक ही है। रेड फ्लैग जहां समस्या से ग्रसित व्यवहार को दर्शाता है तो ग्रीन फ्लैग को अच्छे व्यवहार के रूप में देखा जाता रहा है। यानी कि आप अपने साथी को लेबल दे रहे हैं और वह लेबल ही साथी का आपके प्रति और आपका साथी के प्रति व्यवहार को दर्शाता है।

दरअसल बेज फ्लैग जैसे रिमार्क से रिश्तों में कड़बाहट आती ही आती है। शिकागो की चिकित्सक मिशेल हर्जोंग तो चेतावनी देते हुए कहती है कि ऐसे लेबलिंग से रिश्तों में खटास तय ही हैं। बेज फ्लैग जैसे लेबल जहां कोई समस्या नहीं हैं वहां भी संभावित समस्या पैदा कर देते हैं। हालाकि यह नए नए ट्रेंड सोशल मीडिया पर अपने फालोअर्स बढ़ाने और इंफ्लूएसर मार्केटिंग के किये जाते हैं पर इनका असर काफी गहरा देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर साइबर बूलिंग आम होती जा रही है। साइबर बूलिंग में ड़राने धमकाने के मैसेजों के माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से टार्चर किया जाता है। संबंधित व्यक्ति अपने आत्म सम्मान पर ठेस समझता है और इसके कारण अत्यधिक सेंसेटिव व्यक्ति तो तनाव में चला जाता है। इससे उसकी दिनचर्या बुरी तरह से प्रभावित होने लगती है। देखा जाए तो सोशल मीडिया आपसी जुड़ाव का माध्यम होना चाहिए पर जिस तरह का ट्रेंड चल रहा है वह जुड़ाव के स्थान पर विलगाव का अधिक कारण बन रहा है। जाने अनजाने में सामने वाले को गहरी ठेस लगती है।

भले ही हमारी प्रतिक्रिया मजाक में हो रही हो पर सोशल मीडिया पर हमारी प्रतिक्रिया पर प्रतिक्रियाओं का सिलसिला किस दिशा और हद तक चल निकले इसकी कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए हमें सामने वाले की भावनाओं का भी ध्यान रखना होगा। अन्यथा और कुछ नहीं तो संबंधों में अलगाव तो तय ही है। ऐसे में सोशल मीडिया को हमें सकारात्मक दिशा में ले जाना होगा। अनपेक्षित प्रतिक्रियाओं से बचना होगा। सोशल मीडिया दरअसल समय काटने या दूसरे को बुली करने का माध्यम नहीं है और ना ही होना चाहिए। बल्कि होना तो यह चाहिए कि सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मकता का विस्तार और मोटिवेशन का माध्यम बनना चाहिए ताकि सामाजिक सरोकारों को मजबूती प्रदान की जा सके। इस भाग–दौड़, ईर्ष्या व प्रतिस्पर्धा की जिंदगी में लोगों को निराशा व तनाव से बाहर लाया जा सके। हमारी प्रतिक्रिया किसी को मोटिवेट करने का माध्यम बने तभी प्रतिक्रिया की सार्थकता है। ऐसे में सोशल मीडिया में नित नए प्रयोग करते समय कुछ अधिक ही गंभीर होना होगा। खासतौर से समाज विज्ञानियों और मनोविश्लेषकों को गंभीरता से ध्यान देना ही होगा।

दूसरे टेस्ट से पहले रोहित शर्मा की बढ़ी टेंशन

अब लेना होगा बहुत बड़ा फैसला

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत बनाम न्यूजीलैंड दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को कुछ बड़े और अहम फैसले लेने होंगे। पहला ही मैच हारकर भारतीय टीम इस वक्त पीछे चल रही है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला ही टेस्ट मैच हारने के बाद अब टीम इंडिया और कप्तान रोहित शर्मा की टेंशन बढ़ी हुई है। पहला ही मैच हाथ से जाने के बाद अब सीरीज भी हारने का संकट मंडराने लगा है। इतना ही नहीं, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की रेस में भले ही टीम इंडिया अभी पहले नंबर पर चली रही हो, लेकिन अभी सीट पक्की नहीं है। बाकी टीमें भी अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं। इस बीच सवाल ये भी है कि दूसरे मैच में टीम इंडिया किस प्लेइंग इलेवन के साथ मैदान में उतरेगी। ये करीब करीब पक्का सा लग रहा है कि कुछ न कुछ तो बदलाव करने ही पड़ेंगे।

टीम इंडिया की सबसे बड़ी गले की फांस केएल राहुल बने हुए हैं। उनके बल्ले से बशर्ते रन ना आ रहे हों, वे कैच भी छोड़ रहे हों, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा का भरोसा उन पर कायम है। क्या रोहित शर्मा एक और मौका उन्हें देने की तैयारी कर रहे हैं या फिर बस यहीं तक था। सवाल ये भी है कि पिछले मैच में तो शुभमन गिल फिट ना होने के कारण बाहर हो गए थे, लिहाजा सरफराज और केएल राहुल दोनों को मौका मिल गया। इस बीच बेंगलुरु टेस्ट में जिस तरह से सरफराज खान ने 150 रनों की पारी खेली, उसके बाद अब उन्हें बाहर करना करीब करीब असंभव सा हो गया है। करीब करीब यहां हम इसलिए लिख रहे हैं, क्योंकि भारतीय क्रिकेट में कभी भी कुछ भी हो सकता है, इसलिए पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता।

अब अगर शुभमन गिल फिट होकर वापस आते हैं तो सबसे पहले जिस खिलाड़ी पर गाज गिर सकती है, वो केएल राहुल ही हैं। केएल राहुल पिछले कुछ मैचों से टेस्ट में पूरी तरह से फ्लॉप साबित हुए हैं, उसके बाद उनकी जगह भारतीय टीम में ईमानदारी से नहीं बन रही है, लेकिन इसके बाद भी कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच लगातार उन्हें मौके पर मोके दिए जा रहे थे। यहां तो सामने न्यूजीलैंड की टीम थी। साथ ही भारत के दो तीन बल्लेबाजों के अलावा सारे के सारे फ्लॉप रहे, लेकिन इससे पहले जब भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज हुई थी, उसमें भी केएल राहुल बल्ले से कुछ भी खास नहीं कर पाए।

कहा तो यहां तक जा रहा है कि केएल राहुल ने अपना आखिरी टेस्ट मैच खेल लिया है। यानी अब उनकी वापसी कम से कम इस फॉर्मेट में नहीं होगी।

लेकिन देखना होगा कि वे आखिरी दो टेस्ट इस सीरीज के खेलते है कि नहीं। हालांकि पहले टेस्ट के बाद बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी ने टीम में बदलाव किया है। बाहर तो कोई नहीं गया है, लेकिन वॉशिंगटन सुंदर को टीम में लगाया गया है। यानी उनको भी दूसरे टेस्ट में मौका मिल सकता है। लेकिन देखना होगा कि रोहित शर्मा क्या कुछ फैसला करते हैं।

मां के अंतिम संस्कार में रो पड़े किच्चा सुदीप

यूनिक समय, नई दिल्ली। कच्चा सुदीप की मां सरोजा ने 86 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उन्होंने रविवार यानी 20 अक्टूबर को सुबह सात बजे अपनी आखिरी सांस ली। इस बीच अभिनेता की उनकी मां के अंतिम संस्कार से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वह बेहद इमोशनल लग रहे हैं।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री के गले लगकर हुए इमोशनल

कन्नड़ एक्टर और बिग बॉस कन्नड़ होस्ट किच्चा सुदीप की मां सरोजा संजीव का बीते दिन निधन हो गया। अभिनेता के मां के निधन की खबर मिलते ही सोशल मीडिया पर किच्चा सुदीप के फैंस उनकी दिवंगत मां को श्रद्धांजलि देते नजर आए। इसी बीच एक्टर की मां के अंतिम संस्कार से पहले की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिन्हें देखकर अभिनेता के फैंस भी इमोशनल हो गए हैं। इन तस्वीरों में किच्चा सुदीप पॉलिटिशियन बसवराज बोम्मई के गले लग कर रोते दिखाई दे रहे हैं। इंटरनेट पर कन्नड़ स्टार की ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिन्हें देखने के बाद उनके फैंस भी इमोशनल हो गए हैं।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने एक्स पर किच्चा सुदीप के इमोशनल पलों की झलक साझा की, जिसमें अभिनेता पूर्व मुख्यमंत्री के कंधे पर सिर रखकर इमोशनल होते दिख रहे हैं। सामने उनकी मां का पार्थिव देह रखा है और किच्चा सुदीप भी उन्हीं के पास खड़े हैं। राजनेता ने सुदीप और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और सरोजा संजीव के निधन पर शोक जताया।

बसवराज बोम्मई ने ट्वीट में लिखा– 'अभिनेता सुदीप ने अपनी मां के अंतिम दर्शन किए, जिनका आज निधन हो गया और परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की।' उन्होंने अपने पहले ट्वीट में लिखा था– 'एक मशहूर फिल्म अभिनेता और प्रिय किच्चा सुदीप की मां ती सरोजा के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि अभिनेता सुदीप और उनके परिवार को उनकी मां की मृत्यु का दुख सहन करने की शक्ति दें और दिवंगत आत्मा को शाश्वत शांति मिले। ॐ शांति।'

गौरतलब है कि किच्चा सुदीप की मां लंबे समय से बीमार चल रही थीं। खराब तबीयत के चलते उन्हें बेंगलुरु के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका इलाज चल रहा था। लेकिन, तमाम कोशिशों के बाद भी डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। रविवार की सुबह उनकी हालत बिगड़ी और सुबह सात बजे उनका देहांत हो गया। वह 86 साल की थीं।

अनूप जलोटा ने भाईजान को लॉरेंस बिश्नोई से छुटकारा पाने की दी सलाह

सलमान खान जाकर मांगे माफी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान की जान पर लॉरेंस बिश्नोई का खतरा बना हुआ है। काला हिरण शिकार मामले में मामला बढ़ता ही जा रहा है। कई बार धमकाने के बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बीते दिनों करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद पूरा खान परिवार परेशान है। इस मामले में कई सेलेब्स का रिएक्शन सामने आ रहा है। अब अनूप जलोटा ने सलमान खान को माफी मांगने की सलाह दी है।

सलमान खान काफी मुश्किल समय से गुजर रहे हैं। बीते दिनों 'बिग बॉस 18' वीकेंड का वार की शूटिंग के दौरान भी बोलते दिखे थे कि न चाहते हुए भी कुछ चीजें करनी पड़ती हैं। काला हिरण शिकार मामले में लॉरेंस बिश्नोई सलमान खान के पीछे पड़ा है। कई बार एक्टर को धमकाया जा चुका है। लेकिन बीते दिनों भाईजान के करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद से ही मामला बढ़ता चला गया। इसके बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लेकिन इस मामले में कई सेलेब्स के रिएक्शन भी आ रहे हैं। अब अनूप जलोटा ने सलमान खान को माफी मांगने के लिए कहा है।

सलमान खान को लेकर पहले ही उनकी एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली कई खुलासे कर चुकी हैं। बीते दिनों उन्होंने लॉरेंस बिश्नोई से मिलने की बात कही थी लेकिन बाद में उस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया। हाल ही में सलमान खान और बिश्नोई के विवाद पर अनूप जलोटा ने एबीपी से बातचीत करते हुए वक्त रहते माफी मांगने की बात कही। उनका कहना है कि अब मामला हाथ से निकल चुका है।

भजन सम्राट अनूप जलोटा ने काले हिरण शिकार मामले में कहा कि, उस पवित्र हिरण को मारा गया या नहीं मारा गया। उसको पीछे रखकर यह सोचिए उस कारण से सलमान खान को अपने करीबी की कुर्बानी देनी पड़ी, बाबा सिद्दीकी को अपनी जान गंवानी पड़ी। यहां तक मामला जब पहुंच जाए तो उसे हमेशा शांत करने कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने सलमान खान से एक छोटी सी रिक्वेस्ट करते हुए कहा कि आपके आसपास के लोग सुरक्षित हो जाएंगे, माफी मांग लीजिए।

साथ ही कहा कि सलमान खान को बिश्नोई समाज के मंदिर में जाकर माफी मांगनी चाहिए। अगर ऐसा होता है तो उन्हें माफ भी कर दिया जाएगा, यह बड़ी डील और उन्हें बिल्कुल जाना चाहिए अगर वो आगे अपने जीवन को अच्छे से गुजारना चाहते हैं तो। उनका मानना है कि अगर मारा है या नहीं मारा है, इन चीजों को भूल जाना चाहिए।

शांति से वहां जाकर माफी मांगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सलमान खान इस बात पर अटके हैं कि उन्होंने उसे मारा है या नहीं मारा है, अभी आपको, परिवार और आपके दोस्तों को सुरक्षा की जरूरत है।

चेतेश्वर पुजारा ने एक झटके में ब्रायन लारा को छोड़ा पीछे

करियर में हासिल की बड़ी उपलब्धि

यूनिक समय, नई दिल्ली। चेतेश्वर पुजारा भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में चांस नहीं मिला है। वह इस समय रणजी ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और शतक लगाकर उन्होंने टीम इंडिया में वापसी के लिए हुंकार भरी है। रणजी ट्रॉफी 2024 में इस समय छत्तीसगढ़ और सौराष्ट्र के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में पुजारा ने बेहतरीन बल्लेबाजी की है और अपनी टीम को संकट से निकाल लिया है।

चेतेश्वर पुजारा ने सौराष्ट्र के लिए खेलते हुए छत्तीसगढ़ के खिलाफ शतक लगाया। वह अभी 138 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके भी लगाए हैं। पुजारा के फर्स्ट क्लास करियर का ये 66वां शतक है। इसी के साथ उन्होंने दिग्गज ब्रायन लारा को पीछे कर दिया है। लारा ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 65 शतक लगाए थे। भारत के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर ने लगाए हैं। इन दोनों ही प्लेयर्स के नाम 81–81 शतक दर्ज हैं।

छत्तीसगढ़ के खिलाफ शतक जड़ते ही चेतेश्वर पुजारा ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 21000 रन पूरे कर लिए हैं। वह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। भारत के लिए फर्स्ट क्लास में उनसे ज्यादा रन सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ने बनाए हैं। भारत के लिए फर्स्ट क्लास में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड गावस्कर के नाम है। उन्होंने 25834 रन बनाए हैं।

चेतेश्वर पुजारा एक बार क्रीज पर टिक गए, तो उन्हें आउट करना मुश्किल हो जाता है। उनकी टेक्निक बहुत ही अच्छी है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए टेस्ट में साल 2010 में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 7195 रन बनाए, जिसमें 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। लेकिन खराब फॉर्म की वजह से उन्हें टीम इंडिया से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

अब सिंघम अगेन में नहीं दिखेगा सलमान खान का धमाका!

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान इस वक्त लाइमलाइट में हैं। वजह है लॉरेंस बिश्नोई, जो काला हिरण शिकार मामले में सलमान खान के पीछे है। कई बार धमकियां दी गई हैं। पर सलमान खान काम पर वापस लौट चुके हैं। पूरी सुरक्षा के साथ उन्होंने बीते दिनों 'बिग बॉस 18' के वीकेंड के वार का शूट किया था। अब फैन्स के लिए निराश करने वाली खबर आई है, चुलबुल पांडे 'सिंघम अगेन' में नहीं दिखेंगे। दिवाली पर सिनेमाघरों में धमाल मचने वाला है, जब कार्तिक आर्यन और अजय देवगन आमने–सामने आएंगे। दोनों फिल्मों के मेकर्स ने बड़ी तैयारी कर ली है।

पर अब तक रोहित शेट्टी के पास एक यूएसपी थी। 'सिंघम अगेन' में सलमान खान का कैमियो होने वाला था, जो अकेले ही आधी 'भूल भुलैया 3' गैंग पर भारी पड़ता। पर यहां लॉरेंस बिश्नोई और सलमान खान का विवाद बढ़ा, तो उधर फिल्म और फैन्स को झटका लग गया।

सुविचार

विचार ऐसे रखो, कि तुम्हारे विचारों पर भी किसी को विचार करना पड़े।

कल का पंचांग

तिथि षष्ठी	02:29-01:29 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र आद्रा	05:51-05:38 तक	माह	कार्तिक
सूर्योदय	6:27 AM	चन्द्रोदय	09:53 PM
सूर्यास्त	5:39 PM	चंद्रास्त	12:33 PM
सूर्य राशि	तुला राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त अभिजीत	11:41 AM –12:26 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:45-05:33
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2081
राहुकाल	02:51 PM – 04:15 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

आखिर क्यों धनतेरस पर धनिया खरीदना शुभ होता है?

यूनिक समय, नई दिल्ली। धनतेरस के दिन धनिया खरीदने की काफी मान्यता मानी जाती है। धनिया खरीदने का रिवाज पीढ़ियों से चला आ रहा है। ऐसा माना जाता है कि जो भक्त पूजा के दौरान देवी लक्ष्मी को धनिया अर्पित करते हैं उन्हें देवी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, इस दिन देवताओं के चिकित्सक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे।

त्योहारों का मौसम चल रहा है और पूरा देश दिवाली की तैयारी में लगा हुआ है। दिवाली देश भर में मनाए जाने वाले महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक और यह पांच दिवसीय उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। जो धनतेरस से शुरू होती है और भाई दूज पर समाप्त होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, धनतेरस पर धनिया खरीदना शुभ माना जाता है, इसे देवी लक्ष्मी की कृपा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। धनिया

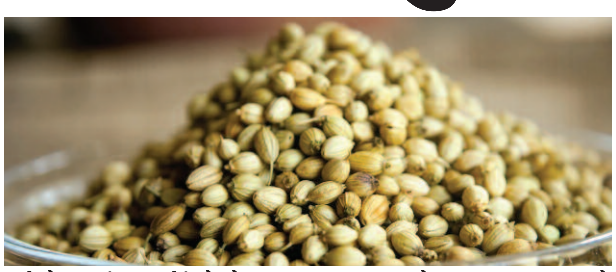

खरीदने का रिवाज पीढ़ियों से चला आ रहा है। ऐसा माना जाता है कि जो भक्त पूजा के दौरान देवी लक्ष्मी को धनिया अर्पित करते हैं उन्हें देवी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इससे उनके घर में शांति और समृद्धि भी बनी रहती है। आज भी कई जगहों पर धनतेरस पर चढ़ाने के लिए सूखे धनिये का उपयोग करते हैं। गांव में धनतेरस के अवसर पर गुड़ और धनिया मिलाया जाता है। पूजा के बाद इस धनिये को गांठ लगाकर तिजोरी में रखना शुभ माना जाता है।

इस साल धनतेरस 29 अक्टूबर, मंगलवार को मनाया जाएगा। इसे धनत्रयोदशी भी कहा जाता है, यह त्योहार कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी (13वें दिन) के दौरान मनाया जाता है। इस विशेष दिन पर भगवान विष्णु के अवतार माने जाने वाले भगवान धन्वंतरि और कुबेर देव की पूजा की जाती है। धनतेरस पूजा का शुभ समय शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक है। धनतेरस पर खरीदारी का शुभ समय सुबह 10 बजे से है। इस दिन लोग सोना, चांदी और अन्य वस्तुएं खरीद सकते हैं। इन उत्पादों के अलावा लोग दूल्हे और बर्तन भी खरीद सकते हैं। धनतेरस की पूजा और खरीदारी से व्यक्ति के जीवन में समृद्धि और खुशियां आती हैं।

धनतेरस को एक शुभ दिन माना जाता है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, इस दिन देवताओं के चिकित्सक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे। उनके पास अमरता का अमृत (अमृत कलश) और कुछ जड़ी-बूटियां थीं।

कुछ लोग इस दिन प्रदोष व्रत भी रखते हैं, इस दिन शाम को भगवान शिव की पूजा की जाती है।

धनतेरस के बाद दूसरे दिन नरक चतुर्दशी या छोटी दिवाली मनाई जाती है। यह राक्षस नरकासुर के विरुद्ध भगवान कृष्ण की विजय का सम्मान करता है। छोटी दिवाली के बाद दिवाली (रोशनी का त्योहार भी कहा जाता है) मनाई जाती है। चौथे दिन गोवर्धन पूजा मनाई जाएगी और भाई दूज के साथ दिवाली उत्सव का सीजन समाप्त होगा।

जो व्यक्ति करता है ये काम, उसके मान–सम्मान में आती है कमी

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य के नीतिशास्त्र में धन, तरक्की विवाह, व्यापार, नौकरी, मित्रता और शत्रुता समेत कई बातों का जिक्र किया गया है।

चाणक्य नीति में कुछ ऐसे कार्य बताए गए हैं, जिनका त्याग कर देना ही हितकर होता है अन्यथा व्यक्ति को मान–सम्मान की हानि उठानी पड़ती है।

दूसरों की बुराई करना

आचार्य चाणक्य के अनुसार, व्यक्ति को सदैव निंदा करने से बचना चाहिए। निंदा करने वाले व्यक्ति को दूसरों के पीछे उनको भला–बुरा कहते हैं, जिसके कारण वे दूसरों की नजरों में अपने मान–सम्मान को कम करते हैं। ऐसे लोगों से सदैव दूरी बनाकर रखनी चाहिए जो सदैव निंदारस में लीन रहते हो।

इसके साथ ही स्वयं भी निंदारस से बचकर रहना चाहिए। जो लोग पीठ पीछे दूसरों की बुराई करते हैं, वे सदैव उपहास और घृणा का पात्र बनते हैं।

झूठ बोलना

हर धर्म, नीति और विद्वान व्यक्ति यही कहता है कि मनुष्य को सदैव सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए और सत्य के लिए आवाज उठानी चाहिए। सत्य से भले ही कुछ समय आपको परेशानियों का सामना करना पड़े परंतु अंत में सत्य की ही विजय होती है। झूठ ज्यादा दिनों तक टिका नहीं रह सकता। जो लोग झूठ बोलकर अपना काम निकालते हैं।

दूसरों को धोखा देते हैं या सफल होने के लिए झूठ का सहारा लेते हैं ऐसे लोग दूसरों की नजरों में अपने सम्मान को कम करते हैं साथ ही झूठ बोलकर पाई गई सफलता भी ज्यादा दिनों तक नहीं टिकती है।

बातों को बढ़ा–चढ़ाकर बोलना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर बात को बढ़ा–चढ़ाकर कहते हैं। दूसरों के सामने स्वयं को बहुत प्रतिभावान और धनवान दिखाने की कोशिश करते हैं यानी दोहरी जिंदगी जीते हैं उन्हें एक न एक दिन मान हानि का सामना अवश्य करना पड़ता है। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि व्यक्ति को कभी भी अपने वस्त्रों और साधारण जीवन को लेकर संकोच नहीं करना चाहिए।

कोई भी व्यक्ति इन कारणों से डिप्रेशन में आ सकता है

यूनिक समय, मथुरा। गरुड़ पुराण में जीवन को बेहतर बनाने के तमाम नियम भी बताए गए हैं। गरुड़ पुराण के अधिष्ठाता देव भगवान विष्णु हैं, जिन्होंने अपने वाहन गरुड़ के तमाम सवालों का सविस्तार उत्तर दिया है। यहां जानिए गरुड़ पुराण में बताई गई उन चार परिस्थितियों के बारे में जो जीवन में बहुत बड़े दुख का कारण बन सकती हैं या आपको डिप्रेशन में ला सकती है....

अगर जीवनसाथी भरोसा तोड़ दे

गरुड़ पुराण के अनुसार वैवाहिक जीवन की नींव विश्वास पर टिकी होती है। इसलिए पति और पत्नी दोनों को कभी भी एक दूसरे के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए क्योंकि अगर एक बार भरोसा टूट गया तो वो फिर से वापस नहीं लाया जा सकता। यदि आप अपने जीवनसाथी का भरोसा तोड़ेंगे तो आपका पूरा परिवार टूट सकता है और पूरा जीवन बर्बाद हो सकता है।

जब जीवन साथी बीमार रहने लगे

जीवनसाथी का अक्सर बीमार रहना या फिर कोई लाइलाज रोग होना जीवन में कई विपरीत परिस्थितियां खड़ी कर सकता है। आर्थिक हानि तो होती ही है, साथ ही अपने जीवनसाथी को परेशान देखकर मानसिक रूप से भी सुकून नहीं मिल पाता। ऐसे हालात होने पर जीवनसाथी की पूरी निष्ठा से सेवा करनी चाहिए और उसे किसी भी हालत में स्वस्थ करने का प्रयास करना चाहिए।

छोटे द्वारा अपमानित होना

जीवन में सभी मान–सम्मान चाहते हैं, लेकिन अगर किसी व्यक्ति को अपने से छोटी उम्र के व्यक्ति या छोटे पद के व्यक्ति से अपमानित होना पड़े तो ये व्यक्ति के लिए बहुत बड़ा दुख होता है।

ऐसे समय में हर व्यक्ति को वाद विवाद की स्थिति से बचना चाहिए और धैर्यपूर्वक वहां से निकल जाना चाहिए।

बार–बार असफल होना

मेहनत करने के बाद भी बार बार असफल होने की स्थिति अवसाद की ओर ले जाती है। ऐसे हालातों से निपटने के लिए आपको एक बार अपने काम करने के तरीके का विश्लेषण करना चाहिए। लगातार असफल होना हमें ये बताता है कि कहीं न कहीं कुछ गलती आप कर रहे हैं। आत्मविश्लेषण कर उस गलती को दूर किया जा सकता है।

दिवाली से पहले घर से इन छः चीजों को निकाल दें, अन्यथा बनी रहेगी दरिद्रता

यूनिक समय, मथुरा। दिवाली से पहले घर की साफ–सफाई जरूर की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है जिन घरों में साफ–सफाई की जाती है, वहां मां लक्ष्मी का सदैव वास रहता है। इस लेख में हम आपको ऐसी वस्तुओं के बारें में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप को दिवाली से पहले घर से बाहर निकाल देना चाहिए। वरना माता लक्ष्मी रुष्ट हो जाएगी।

कार्तिक मास की अमावस्या की तिथि पर हर साल दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। इस साल पूरे देश में 31 अक्टूबर 2024 को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। दिवाली के दिन भगवान गणेश, माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा की जाती है। दिवाली का त्योहार पांच दिनों तक चलता है, इसकी शुरुआत धनतेरस से होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, दिवाली के दिन माता लक्ष्मी हर घर में भ्रमण

करती है। इस दौरान घर की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है, क्योंकि माता लक्ष्मी का वास साफ और स्वच्छ जगह पर ही होता है। शास्त्रों में बताया गया है जिन घरों में साफ–सफाई की जाती है, वहां मां लक्ष्मी का सदैव वास रहता है। ऐसे में दिवाली से पहले घर से बाहर इन चीजों को निकाल दे, वरना माता लक्ष्मी नाराज हो सकती है।

टूटी–फूटी वस्तुएं : यदि आपके घर में टूटी हुई चीजें, जैसे कि बर्तन, फर्नीचर या सजावटी सामान, नकारात्मक ऊर्जा का कारण बन सकता है। इन्हें घर से तुरंत ही निकाल दें।

बिना उपयोग की जाने वाली वस्तुएं : आमतौर पर लोग बिना उपयोग में आने वाली वस्तुओं को भी घर में रखे रहते हैं, हालांकि, वास्तु के अनुसार इन चीजों को घर में रखना अच्छा नहीं माना जाता है। दिवाली की सफाई के समय इन वस्तुओं को घर से निकाल देना चाहिए। जैसे कि पुराने कपड़े, किताबें या उपकरण आदि।

अशुभ तस्वीरें : ध्यान रहे कि घर में कभी भी नकारात्मकता को दर्शाने वाली तस्वीरों को नहीं लगाना चाहिए। इन्हें घर से हटाकर सकारात्मक और प्रेरणादायक चित्रों को लगाना चाहिए।

सूखे और मृत पौधे : अगर आपके घर में सूखे और मुरझाए हुए पेड़–पौधे हैं तो घर से तुरंत निकाल दें क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा लाते है। घर में नए और हरे पौधे लगाने चाहिए। हरे पौधों को जीवन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

खराब रिश्ते की यादें : यदि आपके जीवन में किसी बुरे अनुभव या रिश्तों की याद दिलाते हैं। दिवाली की सफाई के दौरान इन चीजों को घर से बाहर निकाल दें। चाहे तो आप इन चीजों को दान कर दें।

खंडित मूर्तियां : वास्तु मुताबिक, घर में कभी भी देवी–देवताओं की खंडित मूर्ति नहीं रखनी चाहिए।

ये दुर्भाग्य का कारण बन सकता है। इसलिए दिवाली की सफाई के दौरान खंडित मूर्तियां को किसी पवित्र स्थान में ले जाकर रख दें या फिर किसी नदी में प्रवाहित कर दें।

बहराइच हिंसाः अब भाजपा विधायक ने दर्ज कराई एफआईआर

बीजेपी नगर अध्यक्ष समेत सात नामजद व अज्ञात पर केस दर्ज

यूनिक समय, लखनऊ। बहराइच हिंसा में भाजपा विधायक द्वारा दर्ज करवाई गई एफआईआर की जिले में चर्चा हो रही है। मामले में भाजपा नगर अध्यक्ष समेत सात लोगों को नामजद किया गया है। वहीं, अज्ञात भीड़ का भी जिक्र किया गया है।

महराजगंज में मूर्ति पर हुई पत्थरबाजी और राम गोपाल मिश्रा हत्याकांड के बाद अस्पताल चौराहे पर आक्रोशित भीड़ प्रदर्शन कर रही थी। जिसको लेकर अब बीजेपी महसी विधायक सुरेश्वर सिंह ने बीजेपी नगर अध्यक्ष समेत सात नाजमद व अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज करवाया है। जो जिले में चर्चा का विषय बना गया है। बीजेपी विधायक ने भीड़ पर उनके काफिले पर पत्थरबाजी और फायरिंग का आरोप लगाते हुए नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

नगर कोतवाली में दर्ज विधायक महसी सुरेश्वर सिंह की एफआईआर के अनुसार 13 अक्तूबर को महराजगंज में हुई हिंसा में मृतक रामगोपाल के शव को बहराइच मेडिकल कॉलेज के बाहर गेट पर रखकर भीड़ प्रदर्शन कर रही थी। वे अपने अंगरक्षकों व अन्य सहयोगियों के साथ शव रखे लोगों के पास पहुंचे। इसके बाद डीएम से मिलने सीएमओ कार्यालय पहुंचे, जहां सीएमओ, सिटी मजिस्ट्रेट भी मौजूद थे। सभी को साथ लेकर दोबारा से मृतक के परिजनों व ग्रामीणों के पास पहुंचे और बातचीत कर शव को मोर्चरी ले जाने लगे तभी कुछ उपद्रवी जिसमें भाजपा नगर अध्यक्ष अर्पित श्रीवास्तव व अन्य भाजपा कार्यकर्ता अनुज सिंह रैकवार, शुभम मिश्रा, कुशमेंद्र चौधरी, मनीष चंद्र शुक्ल, पुंडरीक पांडेय अध्यापक, सेक्टर संयोजक सुंधाशु सिंह राणा व अज्ञात भीड़ नारेबाजी करते हुए गाली गलौज करने लगी।

शव मोर्चरी में रखवाकर वे और डीएम जैसे ही आगे बढ़ते है और गाड़ी मुड़ती है।

उक्त लोगों द्वारा कार को रोकने और शेष बचे लोगों को जान से मारने की नियत से पत्थर चलाने लगते है, उसी दौरान भीड़ से फायरिंग भी होती है। कार का शीशा टूट गया, घटना में बेटा अखंड प्रताप सिंह बाल–बाल बचे। सीसीटीवी फुटेज से घटना स्पष्ट होने की बात कही। भाजपा जिलाध्यक्ष ने अर्पित के बीजेपी नगर अध्यक्ष होने की पुष्टि की है। नगर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों पर दंगा करने, घातक हथियार से हमला करने, हत्या का प्रयास, व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में डालने, मारपीट सहित अन्य धारा में केस दर्ज किया।

एनसीपीसीआर को सुप्रीम कोर्ट से झटका

मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूल में भेजने के निर्देश पर लगी रोक

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार का आदेश राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की रिपोर्ट पर आधारित था। इसमें राइट टू एजुकेशन एक्ट 2009 का पालन नहीं करने वाले मदरसों की मान्यता रद्द करने को कहा गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बड़ा फैसला लिया। उसने गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सभी छात्रों को सरकारी स्कूलों में ट्रांसफर करने और मदरसों से गैर मुस्लिम छात्रों को हटाने के फैसले पर रोक लगा दी है।

उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकार के इस आदेश के खिलाफ जमीयत उलमा–ए–हिंद ने याचिका दायर की थी। उत्तर प्रदेश सरकार का यह आदेश राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की रिपोर्ट पर आधारित था। इसमें राइट टू एजुकेशन एक्ट 2009 का पालन नहीं करने वाले मदरसों की मान्यता रद्द करने और सभी मदरसों की जांच करने को कहा गया था।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा–ए–हिंद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता के इस कथन का संज्ञान लिया कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के संचार और कुछ राज्यों की कार्रवाइयों पर रोक लगाने की जरूरत है।

अदालत ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकार के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें गैर–मान्यता प्राप्त मदरसों और सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले गैर–मुस्लिम छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया था। शिक्षा के अधिकार अधिनियम का पालन न करने के कारण सरकारी अनुदान प्राप्त/सहायता प्राप्त मदरसों को बंद करने की एनसीपीसीआर की सिफारिश और केंद्र तथा राज्यों द्वारा की गई कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि एनसीपीसीआर द्वारा सात जून और 25 जून को जारी किए गए 27 जून तक के संचार पर रोक लगाई जाती है और इसके बाद उठाए गए सभी कदमों पर रोक लगाई जाती है। पीठ ने यह भी कहा कि राज्यों के परिणामी आदेशों पर भी रोक रहेगी।

न्यायालय ने मुस्लिम संगठन को उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा के अलावा अन्य राज्यों को अपनी याचिका में पक्षकार बनाने की भी अनुमति दे दी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने हाल ही में अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि जब तक मदरसे शिक्षा के अधिकार अधिनियम का अनुपालन नहीं करते, तब तक उन्हें दिया जाने वाला फंड बंद कर देना चाहिए।

इस रिपोर्ट पर विपक्ष ने बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा था। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर अल्पसंख्यक संस्थानों को चुनिंदा तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाया था। इसके बाद एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कहा था कि उन्होंने कभी भी ऐसे मदरसों को बंद करने की मांग नहीं की थी, बल्कि उन्होंने सिफारिश की थी कि इन संस्थानों को दी जाने वाली सरकारी फंडिंग बंद कर दी जानी चाहिए, क्योंकि ये गरीब मुस्लिम बच्चों को शिक्षा से वंचित कर रहे हैं।

सम्मानजनक समझौते के बिना उपचुनाव में नहीं उतरेगी कांग्रेस

अखिलेश की गलतफहमी दूर करने पर भी है निशाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, यूपी अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश में पार्टी की स्थिति को देखते हुए अपनी ओर से मजबूत दावेदारी करने के अपने निर्णय से पार्टी आलाकमान को अवगत करा दिया है। अब सपा और कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इस पर अंतिम निर्णय लेगा।

यूपी में नौ सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव से कांग्रेस ने फिलहाल किनारा कर लिया है। समाजवादी पार्टी ने गठबंधन के तहत कांग्रेस को गाजियाबाद और खैर की दो विधानसभा सीटें दी है, जबकि कांग्रेस अपने लिए पांच सीटों पर दावेदारी कर रही है। कांग्रेस गाजियाबाद और खैर की बजाय अपने लिए सीसामऊ फूलपुर और मझवां सीटों पर दावेदारी कर रही है। इन सीटों पर समाजवादी पार्टी से बात न बनते देख कांग्रेस ने दबाव बढ़ा दिया है। पार्टी ने कहा है कि यदि उसे सम्मानजनक सीटें नहीं मिलीं तो वह चुनाव से दूर रहेगी।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, सबसे बड़ी पेंच गाजियाबाद और खैर विधानसभा सीटों को लेकर है। ये दोनों सीटें ऐसी हैं जहां कांग्रेस लंबे समय से जीत दर्ज नहीं कर पाई है। यदि उपचुनाव में वह इन सीटों पर उतरती है तो भी उसके लिए जीत की संभावनाएं बहुत कम रहेंगी। जबकि यदि फूलपुर और मझवां सीटों पर वह उतरती है तो न केवल उसको जीत मिल सकती है, बल्कि इन क्षेत्रों में उसकी कमजोर होती पकड़ को भी मजबूती मिल सकती है। यही कारण है कि कांग्रेस ने इन सीटों को लेकर अपना दबाव बढ़ा दिया है। वहीं, इन सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुके अखिलेश यादव के लिए पीछे हटना मुश्किल हो रहा है। यही कारण है कि दोनों दलों में पेंच फंस गया है।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, यूपी अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश में पार्टी की स्थिति को देखते हुए अपनी ओर से मजबूत दावेदारी करने के अपने निर्णय से पार्टी आलाकमान को अवगत करा दिया है। अब सपा और कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इस पर अंतिम निर्णय लेगा। लेकिन ज्यादा संभावना इसी बात की है कि यदि सपा कांग्रेस को उसके मन मुताबिक सीटें नहीं देती है तो कांग्रेस उपचुनाव में नहीं उतरेगी। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, सपा को सीटों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार करना पड़ेगा।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, लोकसभा चुनाव में सपा–कांग्रेस गठबंधन को किन कारणों से सफलता मिली थी, इसको लेकर अखिलेश यादव के मन में कुछ गलतफहमी है। उन्हें लगता है कि उन्होंने जो पीडीए समीकरण बनाया था, वह उनके पक्ष में गया है। जबकि कांग्रेस नेताओं के अनुसार, राहुल गांधी ने संविधान और आरक्षण को लेकर जो माहौल बनाया था, उसके कारण पिछड़े, दलित और मुसलमान कांग्रेस–सपा गठबंधन के साथ आए और उसे जीत मिली।

कांग्रेस नेताओं के अनुसार, लेकिन अखिलेश यादव इस कारण को स्वीकार नहीं करना चाहते। वे जीत का पूरा श्रेय अपने हिस्से में ले जाना चाहते हैं और कांग्रेस को उसकी उचित हिस्सेदारी नहीं देना चाहते। कांग्रेस नेताओं की चिंता है कि यदि इस उपचुनाव में ही वह दबाव में रह जाती है तो 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में भी सपा उसे इसी तरह बहुत कम सीटों पर निपटाने की कोशिश कर सकता है। इसलिए वह समय रहते अपनी ताकत को आजमाना चाहती है और सपा से सम्मानजनक समझौता चाहती है जिससे आने वाले समय में भी उसकी स्थिति मजबूत रहे।

दरअसल, सपा अध्यक्ष यूपी के अलावा कुछ अन्य राज्यों में अपना पैर पसारकर अपनी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाना चाहते हैं। इसी कोशिश में वे हरियाणा भी गए थे, लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। अब वे महाराष्ट्र में भी इसी जुगत में लगे हैं। लेकिन सपा के मैदान में आने से लगभग एक दर्जन सीटों पर मुसलमान वोटों में बंटवारा हो सकता है। इसका नुकसान इंडिया गठबंधन के दलों को होगा। माना जा रहा है कि यूपी में दबाव बढ़ाकर कांग्रेस नेतृत्व सपा को महाराष्ट्र में एक–दो सीटों पर समेटने का दांव भी आजमा रहा है, जो कम से कम एक दर्जन सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

जमीन पर सो रही मां और दो बच्चों को सांप ने काटा, इलाज के दौरान तीनों की मौत

यूनिक समय, लखनऊ। हापुड़ जिले के एक गांव में घर में जमीन पर सो रही महिला और उसके दो बच्चों की सांप के काटने से मौत हो गई। परिवार में कोहराम मच गया।

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से दर्दनाक खबर सामने आई है। बहादुरगढ़ थाना इलाके में एक महिला और उसके दो बच्चों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। गांव में एक साथ तीन मौत से कोहराम मचा हुआ है। एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार से बात कर मदद का आश्वासन दिया है।

जानकारी के अनुसार, बहादुरगढ़ थाना इलाके के गांव सदरपुर में रहने वाला रिंकू सिंह मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करता है। सर्प दंश से मजदूर रिंकू सिंह की पत्नी पूनम (30), बेटी साक्षी (12) और बेटे कनिष्क (9) की मौत हो गई।

बताया गया है कि रिंकू सिंह के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। पूनम, बेटी और बेटा रविवार की रात घर पर जमीन पर बिस्तर लगा कर सो रहे थे। देर रात घर में सांप ने कनिष्क के हाथ, साक्षी की पिंडली और पूनम के हाथ की अंगुली में काट लिया।

रिंकू दूसरे कमरे में सो रहा था, देर रात करीब तीन बजे उसकी आंख खुली। वह बाहर आया तो पत्नी और बच्चों के मुंह से झाग निकलते देख उसके होश उड़ गए। पड़ोसियों की मदद से उसने तीनों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से चिकित्सक ने दोनों बच्चों को मेरठ के लिए रेफर कर दिया। यहां चिकित्सकों ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

डॉक्टर द्वारा बच्चों को मृत घोषित करने के बाद भी परिजन मानने के लिए तैयार नहीं हुए, रिंकू और उनके परिजन बच्चों को बुलंदशहर जिले के स्याना क्षेत्र में झाड़–फूंक करने वालों के पास भी ले गए, लेकिन वहां भी कोई फायदा नहीं हो सका। वहां से भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा।

इस दौरान पूनम का उपचार स्थानीय अस्पताल में चलता रहा। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन दोपहर को पूनम की भी मौत हो गई।

सर्प दंश से महिला और दो बच्चों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं ग्रामीणों में भी शोक की लहर है। शोक में मोहल्ले के घरों में भी सोमवार को चूल्हे नहीं जले।

सूचना मिलते ही एसडीएम साक्षी शर्मा, तहसीलदार धर्मेंद्र सिंह राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने मृतकों के परिजनों को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। एसडीएम साक्षी शर्मा ने बताया कि सर्प दंश से एक ही परिवार में तीन लोगों की असमय मौत बेहद दुखद मामला है। घटना के संबंध में उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जा रही है। मृतकों के परिजनों को हर संभव मदद दिलाई जाएगी।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बयान

यूनिक समय, नई दिल्ली। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कहते हैं कि मैनपुरी के लोगों ने उनका हमेशा साथ दिया है। भाजपा उपचुनाव में पीडीए से घबराई हुई है। पीडीए परिवार के लोग भेदभाव के शिकार हुए हैं। इन लोगों को विकास की चिंता नहीं है। बीजेपी सरकार में सभी को न्याय नहीं मिल रहा। ये लोग सदस्यता कम कर रहे हैं, जमीनों पर कब्जा ज्यादा कर रहे हैं। बीजेपी जिसको चाहे गिरफ्तार कर सकती। बीजेपी ने अपनी मनमर्जी के अधिकारी रखे हुए हैं। बीजेपी किसी को न्याय नहीं दे सकती।

पूर्व मंत्री प्रोफेसर किरनपाल सिंह का निधन

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री प्रोफेसर किरनपाल सिंह का निधन हो गया है। उन्होंने मेरठ के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार में वे बेसिक शिक्षा मंत्री थे। बुलंदशहर की अगौता सीट से 5 बार विधायक चुने गए थे। राष्ट्रीय लोकदल में राष्ट्रीय सचिव थे। किरनपाल बुलंदशहर के गांव धमेड़ा कीरत के मूल निवासी थे।

सार संक्षेप

अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डिग्री को लेकर टिप्पणी करने के मामले में अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। गुजरात की निचली अदालत में चल रही कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में आरोपी आप नेता संजय सिंह की याचिका कोर्ट पहले ही ख़ारिज कर चुका है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट दखल नहीं दे सकती।

जालौन में भीषण सड़क हादसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के जालौन में भीषण सड़क हादसा हुआ है। परिवहन विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से 20 से ज्यादा घायल हुए हैं। घायल मजदूरों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जालौन का परिवहन विभाग अवैध परिवहन को रोकने में नाकाम साबित हो रहा है। जालौन के डकोर कोतवाली क्षेत्र के बंधौली की घटना है। उमेश पांडेय, सीओ सिटी जालौन ने हादसे की पुष्टि की।

महाराष्ट्र के लातूर में मजदूर की हत्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के लातूर में 3 लोगों ने एक मजदूर को पीट-पीट कर मार दिया। उसने शराब के लिए 500 रुपये देने से इनकार कर दिया था। औसा पुलिस स्टेशन के दायरे में आने वाले इलाके की घटना है। मृतक का नाम वजार अयूब शेख है। आजाद चौक पर झील के पास साजिद, असलम और अवेज गादेश्वर ने उस पर हमला किया था।

झारखंड में डॉक्टर गर्लफ्रेंड के साथ तीसरी मंजिल से कूदा

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड के रिम्स (राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान) परिसर में एक जूनियर डॉक्टर ने अपनी महिला मित्र के साथ सुसाइड करने की कोशिश की। वह दोनों हॉस्टल नंबर 4 की तीसरी मंजिल से कूद गए। इसमें डॉक्टर की मौत हो गई है और महिला की हालत गंभीर है। पुलिस को मामला सुसाइड का लग रहा है।

बिहार में होटल मालिक की हत्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के पटना जिले के पीरबहोर थाना क्षेत्र के कुतुबद्दीन लेन में होटल मालिक को गोलियों से भून दिया गया। उसे 5 गोलियां मारी गईं। मृतक की पहचान पीरबहोर के दरियापुर निवासी शकील मलिक के रूप में हुई। वह मूल रूप से जहानाबाद के टेहटा के बघवारा का रहने वाला था। हत्या की सूचना मिलते टाउन एसडीपीओ-1 अशोक कुमार सिंह, पीरबहोर और कदमकुआं थाने की पुलिस मौके पहुंची। सिर, पेट, सीने में गोली लगने से मौत हुई है। परिजनों के अनुसार, उससे 20 लाख की रंगदारी मांगी गई थी। पैसे नहीं देने पर उनकी हत्या कर दी गई।

जम्मू कश्मीर : 2019 के बाद गांदरबल में सबसे बड़ा आतंकी हमला

मास्टरमाइंड पाकिस्तान में छिपा, टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। गांदरबल आतंकी हमले का मास्टरमाइंड शेख सज्जाद गुल पाकिस्तान में छिपा हुआ है और वहीं से आतंकी नेटवर्क संचालित कर रहा है। इस आतंकी पर एनआईए ने 2022 में ही 10 लाख का इनाम घोषित किया था।

जम्मू कश्मीर के गांदरबल में 2019 के बाद से सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में सात लोगों की मौत हो चुकी है और पांच लोग घायल हुए हैं। टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। टीआरएफ, लश्कर ए तैयबा का मुखौटा है। जम्मू कश्मीर में इसके आतंकी सक्रिय हैं। हमले के बाद सभी आतंकी फरार हो चुके हैं। इस हमले का मास्टरमाइंड शेख सज्जाद गुल को बताया जा रहा है, जो पाकिस्तान में छिपा हुआ है। एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) ने इस पर 2019 में ही 10 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। इसके साथ तीन अन्य आतंकी हैं, जिनकी मदद से शेख सज्जाद पूरा नेटवर्क संचालित कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार चुनाव के बाद आतंकवादी संगठन सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं, इसलिए वे टारगेट किलिंग करने की कोशिश कर रहे हैं। यह 2019 के बाद सबसे बड़ी टारगेट किलिंग है। शेख सज्जाद के साथी पाकिस्तानी आतंकियों और स्थानीय लड़कों की मदद से जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। इन आतंकियों को पाकिस्तानी सेना और आईएसआई का भी समर्थन हासिल है। इनका उद्देश्य जम्मू कश्मीर में अशांति फैलाना है।

भारत सरकार का गृह मंत्रालय भी शेख सज्जाद को आतंकी घोषित कर चुका है। जनवरी 2023 में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने शेख सज्जाद को आतंकी घोषित किया था। शेख सज्जाद श्रीनगर के बेमिना में एचएमटी कॉलोनी में अंसारी लेन में रहता था। उसके साथी नवाब शाह (पाकिस्तान के सिंध), सैफुल्लाह साजिद (कसूर, पाकिस्तान) और बसीत अहमद (रेडवानी पयीन, कुलगाम) के रहने वाले हैं। गांदरबल हमले को लेकर एनआईए ने जांच शुरू कर दी है।

जम्मू कश्मीर में नई सरकार बनते ही बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों ने सीएम उमर अब्दुल्ला के चुनावी क्षेत्र गांदरबल को निशाना बनाया। गांदरबल के गगनगीर इलाके में हुए आतंकी हमले में डॉक्टर समेत सात लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए हैं। इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली है। यह संगठन लश्कर-ए-तैयाब का मुखौटा है और कश्मीर में लगातार आतंकी वारदातों को अंजाम दे रहा है। एनआईए ने इस आतंकी हमले की जांच शुरू कर दी है। एनआईए की टीम गांदरबल पहुंच गई है और मौके से सबूत जुटा रही है।

गांदरबल में ये टेरर अटैक सोनमर्ग इलाके के गगनगीर में हुआ है। सभी मजदूर केंद्र सरकार की तरफ से चल रहे जेड मोड़ सुरंग निमाण प्रोजेक्ट में काम कर रहे थे।

यह टनल मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले की गगनगीर घाटी को सोनमर्ग से जोड़ती है।

रात करीब साढ़े 8 बजे मजदूर काम करने के बाद खाना खाने मेस में पहुंचे थे। इसी दौरान आतंकियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमला करने के बाद आतंकी मौके से फरार हो गए। इस गोलीबारी में दो गाड़ियां भी जलकर खाक हो गई हैं।

नायडू के बाद एमके स्टालिन का बयान

समय आ गया है, अब 16-16 बच्चे पैदा करो

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने ज्यादा बच्चे पैदा करने की वकालत की तो अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भी तमिलनाडु के लोगों से इस पर विचार करने का आग्रह किया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बाद अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने नई जनसंख्या नीति की बात कहते हुए जनसंख्या बढ़ाने पर जोर दिया है। सीएम स्टालिन ने लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील की है। चेन्नई में सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि नवविवाहित जोड़े 16-16 बच्चे पैदा करें। स्टालिन ने कहा, हमारे बुजुर्ग पहले कहते थे "पदनारूम पेटू पेरुवाल्व वाझ्गई" इसका मतलब 16 बच्चे पैदा करना नहीं, बल्कि 16 प्रकार की संपत्ति थी।

वह 16 तरह की सम्पत्ति को पाने का आशीर्वाद हमें देते थे। अब कहा जाता है कि "लिमिटेड बच्चे पैदा करो और खुशहाल जीवन जियो" लेकिन आज ऐसे हालात बन रहे हैं कि हमारी संसद सीटें कम होने वाली हैं, ऐसे में ऐसी मानसिक स्थिति बन गई है कि लिमिटेड बच्चे पैदा करने की बजाय क्यों न हम 16 बच्चे पैदा करें, ये हमे भूलना नहीं चाहिए।

कोटा में सड़क हादसा : बच्चों से भरी स्कूल बस पलटी

शीशे तोड़कर निकाले गए बच्चे, चार गंभीर घायल

यूनिक समय, कोटा। कोटा में सड़क हादसे का मामला सामने आया है। यहां नांता थाना क्षेत्र में एक स्कूली बस पलट गई। इस हादसे में चार बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शहर के नांता थाना क्षेत्र में स्कूली बस पलट गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने बस में फंसे बच्चों को कांच तोड़कर बाहर निकाला। बस में 30 बच्चे सवार बताए। जिनमें 4 बच्चे गंभीर घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल लाया गया।

कोटा उत्तर के वार्ड नंबर 29 के

पूर्व सहवरित पार्षद लटूर लाल ने बताया कि घटना दोपहर डेढ़ बजे के आसपास की है। सुभाष नगर में स्थित सत्यम स्कूल की बस छुट्टी होने के बाद बच्चों को घर छोड़ने जा रही थी। बस में 40-50 बच्चे सवार थे।

तभी ट्रेंचिंग ग्राउंड से पहले करणी नगर चौराहे पर अचानक स्कूल बस पलट गई।

सड़क से 5-6 फीट नीचे जा गिरी। हादसे के बाद स्थानीय लोग मदद को दौड़े।

कांच तोड़कर बस में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। ०नांता पुलिस भी मौके पर पहुंची। हादसे में कुछ बच्चों को ज्यादा चोट लगी बताई। उन्हें हॉस्पिटल ले जाया जा चुका था। स्टेयरिंग फेल होना हादसे का कारण बताया है।

पुलिस को बरामद हुए पाउडर की जांच जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी में मौजूद सीआरपीएफ स्कूल के बाहर हुए धमाके के बाद एजेंसियां कई एंगल से जांच कर रही है। घटनास्थल से अब जांच में एक पाउडर मिला है। पाउडर का टेस्ट किया गया जिसके बाद सामने आया इस पाउडर में तीन तरह के केमिकल मिक्स थे।

राजधानी दिल्ली के रोहिणी इलाके में रविवार की सुबह ब्लास्ट हुआ। सीआरपीएफ स्कूल के बाहर यह धमाका हुआ, जिसकी आवाज इतनी तेज थी कि बिल्डिंगों में दरार आ गई, गाड़ियों के शीशे टूट गए। इस धमाके के बाद से ही पुलिस समेत कई एजेंसियां अलग-अलग एंगल से मामले की जांच कर रही है।

रोहिणी के प्रशांत विहार में यह ब्लास्ट हुआ। धमाके के बाद घटनास्थल पर कई तरह से जांच की जा रही है और पुलिस बल से लेकर कई एजेंसियां तैनात है। घटनास्थल से पुलिस को अब एक पाउडर बरामद हुआ है। इस पाउडर की जांच की जा रही है। अब सामने आया है कि इस पाउडर में तीन केमिकल मिक्स थे।

ये केमिकल माइनिंग में भी इस्तेमाल होते है। साथ ही यह ब्यूटी प्रोडक्ट को भी तैयार करने मेंइस्तेमाल होते हैं। रोहिणी में हुए इस धमाके के बाद सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि जिसने भी ब्लास्ट का मैटीरियल इकठ्ठा किया, उसे ये तमाम केमिकल की अच्छी खासी नॉलेज रही होगी।ये केमिकल भी आसानी से हासिल किए जा सकते हैं क्योंकि इंडस्ट्रीज वर्क्स में भी इसका काम इस्तेमाल किया जाता है।

तीन केमिकल किए गए थे मिक्स

रोहिणी में रविवार की सुबह जिस समय यह धमाका हुआ सभी लोग दशहत में आ गए। आवाज इतनी तेज थी कि सभी में डर का माहौल पैदा हो गया। इस अटैक के बाद से ही सभी एजेंसियां सतर्क हो गई है और जांच जारी है। इस अटैक में तीन एंगल सामने आ रहे हैं। फर्स्ट एंगल में संभावना है कि नक्सलियो के खिलाफ भारत ने सख्त कदम उठाए हैं। इसी के चलते हो सकता है कि नक्सली इस धमाके के पीछे हो। सेकेंड एंगल इस ब्लास्ट के पीछ खालिस्तानियों की तरफ इशारा करता है। इसकी भी एजेंसी जांच कर रही है। तीसरा एंगल पाकिस्तान को लेकर सामने आ रहा है। पाकिस्तान भी इस धमाके के पीछे हो सकता है।

इस धमाके के बाद सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है। इस मामले की जानकारी पुलिस को रविवार सुबह 7 बजकर 57 मिनट पर मिली थी।

पुलिस को एक कॉल आया था और बताया गया था कि सीआरपीएफ स्कूल सेक्टर 14 रोहिणी, प्रशांत विहार में दीवार में एक तेज धमाका हुआ है। इसी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की तफ्तीश की जा रही है और हर सवाल का जवाब ढूंढने की पूरी कोशिश की जा रही है। इस धमाके में किसी भी तरह का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

आईपीएस अधिकारी अजय कुमार सिंह बने झारखंड के नए डीजीपी

यूनिक समय, झारखण्ड। अजय कुमार सिंह 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्हें तीन आईपीएस अधिकारियों के एक पैनल से चुना गया था, जिनके नाम राज्य सरकार ने भेजे थे। बता दें कि झारखंड में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने वाला है।

चुनाव आयोग ने सोमवार को झारखंड कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अजय कुमार सिंह को राज्य का डीजीपी नियुक्त किया। अजय कुमार सिंह ने अनुराग गुप्ता की जगह ली। बता दें कि अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है। अजय कुमार सिंह 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्हें तीन आईपीएस अधिकारियों के एक पैनल से चुना गया था, जिनके नाम राज्य सरकार ने भेजे थे। बता दें कि झारखंड में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने वाला है।

सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने अनुराग गुप्ता को तत्काल प्रभाव से कार्यकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद से हटाने का निर्देश दिया था। उनके खिलाफ शिकायतों के आधार पर यह कदम उठाया गया। उनके खिलाफ पिछले चुनाव में काफी शिकायतें मिली थीं। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारियां चल रही हैं।

2019 के आम चुनाव के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने उन पक्षपातपूर्ण आचरण का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्हें झारखंड के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (विशेष शाखा) के रूप में उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया था। उस समय उन्हें दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर के कार्यालय में तैनात किया गया था। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक उनके झारखंड लौटने पर रोक लगा दी गई थी।

इससे पहले भी 2016 के राज्यसभा उपचुनाव के दौरान गुप्ता पर पद के दुरुपयोग के आरोप लगे थे। वे तब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर थे। उस समय आयोग ने उनके खिलाफ एक जांच समिति गठित की थी। जिसके नतीजों के आधार पर विभागीय जांच के लिए उनके खिलाफ आरोप पत्र जारी किया गया। इस मामले में जगन्नाथपुर थाने में उनके खिलाफ 2018 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद 2021 में झारखंड की झामुमो सरकार ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17 (ए) के तहत उनके खिलाफ जांच की अनुमति दी।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053